

रामभक्तों पर गोली चलवाने.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



डेयर डेविल में अजीत कुमार के.. 11

वर्ष - 02, अंक - 217 | गाजियाबाद / रविवार 08 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए



अयोध्या में साकार हुई रामराज्य की कल्पना

अयोध्या (एजेंसी)। दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित दीपोत्सव में त्रेतायुग की परंपरा का सजीव मंचन देखने को मिला। भगवान श्री राम, सीता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूप पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से रामकथा पार्क के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरे। यहां गुरु वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भगवान के स्वरूपों की भव्य अगवानी की। इसके बाद भगवान श्रीसीताराम के स्वरूप रथ पर सवार होकर रामकथा पार्क पहुंचे।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ स्वयं रथ खींचकर भगवान का स्वागत किया, जिसका मनमोहक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए। त्रेतायुग की इस परंपरा के जीवंत प्रदर्शन ने एक बार फिर सभी को रामराज्य की स्मृतियों से जोड़ दिया।

दीपोत्सव

पुष्पक विमान से सीता और हनुमान सहित पहुंचे श्रीराम

● **बनाई गईं विशेष झांकियां,पहुंची शोभायात्रा–** रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल–नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे। दर्शकों की आंखों में श्रद्धा, चेहरों पर उल्लास और वातावरण में रामनाम की गूंज। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

दीपावली की बधाई



दीपपर्व दीपावली की सभी देश–प्रदेशवासियों, पाठकगण, विज्ञापन दाताओं व संवाददाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

अवकाश की सूचना

दीपपर्व दीपावली के अवसर पर दिनांक 8 नवंबर 2026 को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत : अगला अंक 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा। **संपादक**

● **श्रद्धालुओं ने सराहा रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन–** शोभायात्रा के साक्षी बने उन्नाव के सुशील कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में अयोध्या का ऐसा दिव्य और भव्य स्वरूप देखने को मिल रहा है। दीपोत्सव और शोभायात्रा देखकर मन आनंदित हो गया। जौनपुर से आए राम कुमार ने रामायण की झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुतियों को सराहा। बलरामपुर की सुशीला ने कहा कि रामकथा के सजीव मंचन और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। रामपथ पर विराजमान दर्शक और श्रद्धालु शोभायात्रा के हर दृश्य को अपलक निहारते रहे। प्रभु श्रीराम के स्वरूपों के दर्शन कर कई श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। किसी की आंखें श्रद्धा से नम थीं तो कोई हाथ जोड़कर रामनाम में लीन नजर आया। जय श्रीराम के उद्घोष, ढोल–नगाड़ों की गूंज और रामायण के जीवंत प्रसंगों के बीच पूरा रामपथ भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा।

13 हजार फीट की ऊंचाई पर उतरा वायुसेना का गजराज

● *दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस, लद्दाख की यह जगह चीन सीमा से 23 किमी दूर*

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान आईएल-76 एमडी की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है। सेना के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। नवंबर 2025 में न्योमा को



अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था। तब तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सी-130 जे से उतरकर इसका उद्घाटन किया था। सेना के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। मतलब साफ है - अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है। हालांकि, न्योमा पर पहले भी लैंडिंग हुई है। 20 अगस्त 2013 को विमान वहां लैंड किया था।

बेहद अहम है विमान की ये सफल लैंडिंग

यह सफल लैंडिंग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिक ऊंचाई पर भारी परिवहन विमानों को संचालित करना बेहद कठिन परिस्थितियों से भरा होता है। इतनी ऊंचाई पर हवा बहुत पतली होती है, जो विमान को ऊपर उठाने और इंजन के प्रदर्शन को प्रभावित करती है, जिससे टेक-ऑफ और लैंडिंग और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। 76एमडी रूस में बना चार इंजनों वाला एक भारी परिवहन विमान है, जिसे सैनिकों, उपकरणों और सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह भारतीय वायु सेना के लिए दूर-दराज और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों तक कर्मियों और जरूरी सामान को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है। यह ऐतिहासिक लैंडिंग बेहतरीन उड़ान कौशल, सटीकता और पेशेवर रवैये को दर्शाती है। साथ ही, यह दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण विमानन वातावरणों में यह हेवी-लिफ्ट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की निरंतर परिचालन क्षमताओं को भी उजागर करती है। यह सफल ऑपरेशन भारत की रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, खासकर अधिक ऊंचाई वाले उन इलाकों में, जहां कठिन भू-भाग शामिल है।

चीन के साथ लगी सीमा के बेहद करीब है न्योमा एयरबेस

पूर्वी लद्दाख में स्थित न्योमा, चीन के साथ लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा के काफी करीब होने के कारण रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। अधिक ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां विमानों का संचालन काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जिसके लिए बहुत सावधानीपूर्वक योजना बनाने और सटीक क्रियान्वयन की आवश्यकता होती है। यह विमान की बेहतरीन क्षमता का एक शानदार प्रदर्शन है, जिसे इसके चालक दल के असाधारण कौशल, सटीकता और पेशेवर रवैये का समर्थन प्राप्त था। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो भारत की रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमता को और मजबूत करता है। सीमाओं को आगे बढ़ाना। सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित करना। इतिहास रचना।

कमजोर होते ट्रंप, मजबूत होता भारत

और साख दिखाने के लिए भारत के साथ ट्रेड डील को रफ्तार दे सकता है। वैसे एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक तरफ जहां भारत को बेहतर मोलभाव का मौका मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियां और अतिरिक्त टैरिफ की धमकियां कायम रहने की आशंका भी बनी हुई है। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) और सीनेट दोनों पर कंट्रोल हासिल कर लेने से ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। इस नए परिदृश्य पर थिंक टैंक के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का मानना है कि घरेलू राजनीति में कमजोर पड़ने के बाद ट्रंप का फोकस व्यापार समझौतों पर बढ़ेगा। इससे भारत-



अमेरिका के बीच लंबे समय से अटकी ट्रेड डील की प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। यह समझौता अगले दो महीनों में अंतिम रूप ले सकता है।

भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव हुआ कम

एमके रिसर्च के मुताबिक, चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रंप के पास आक्रामक टैरिफ एजेंडा चलाने के मौके काफी हद तक सीमित हो गए हैं। इससे भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव कम होगा। इसके साथ ही नई दिल्ली ज्यादा अनुकूल शर्तों पर बातचीत कर सकेगी। वैसे एजेंसी ने यह भी चेताया है कि वॉशिंगटन की ओर से भारतीय सामानों पर अतिरिक्त 17-19 फीसदी टैरिफ लगाने या रूसी क्रूड तेल की खरीद को मुद्दा बनाने की धमकियों का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए हो सकता है।





कोटड़ी श्याम मंदिर में प्रज्वलित हुआ 11 फीट चौड़ा अखंड दीप

● 2100 ईंटों से किया गया तैयार

भीलवाड़ा, एजेंसी। मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटड़ी श्याम मंदिर में धनतेरस के मौके पर विशाल अखंड दीप प्रज्वलित किया गया। करीब सवा 11 फीट चौड़े विशाल दीपक को 2100 ईंटों, मिट्टी और गोबर से पारंपरिक तरीके से तैयार किया गया है। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद दीपक जलाया गया। इस अनूठे दीप को देखने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर से जुड़े लोगों के अनुसार, विशाल दीपक का निर्माण पारंपरिक पद्धति से किया जाता है। इसमें करीब 2100 ईंटों के साथ मिट्टी और गोबर का इस्तेमाल किया गया। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विशेष पूजा की गई और वैदिक मंत्रों के बीच अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। दीपक के जलते ही मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया। कोटड़ी श्याम मंदिर में धनतेरस पर विशाल अखंड दीप जलाने की परंपरा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। इसके बाद से हर साल धनतेरस के मौके पर विशेष रूप से विशाल दीपक का निर्माण किया जाता है और दीपक को विधिवत प्रज्वलित किया जाता है। श्रद्धालु इस परंपरा को धार्मिक आस्था, समृद्धि और मंगलकामना का प्रतीक मानते हैं। धनतेरस के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी आयोजित की गई। विशाल दीपक के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक गतिविधियां चलती रहीं और दीपोत्सव का उल्लास छाया रहा।

मनेर एनकाउंटर पर तेजस्वी का हमला, अपनी जान की जिम्मेदार जनता खुद होगी

● हर जगह बोर्ड लगवा दें सीएम सम्राट

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले के मनेर में पुलिस के साथ कथित मुठभेड़ में 3 लोगों की मौत के बाद प्रदेश की राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने घटना को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार पुलिस पर तीखा हमला बोला है। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाकर बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, स्थानीय ग्रामीण भी मुठभेड़ को फर्जी बताकर निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। तेजस्वी ने पोस्ट कर सम्राट सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, अपनी जान की जिम्मेदार जनता खुद होगी, मुख्यमंत्री लगवा दें हर जगह बोर्ड। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में पुलिस आम लोगों के घरों में घुसकर गोली चला रही है, जबकि दूसरी ओर अपराधी पुलिस पर हमले कर रहे हैं। राजद नेता ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधकर कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश में भयावह स्थिति पैदा हो गई है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जब सरकार, पुलिस और अपराधियों की भूमिका को लेकर सवाल उठते हैं, तब ध्यान भटकाने के लिए किसी विशेष जाति के लोगों का एनकाउंटर होता है। इस मामले में राजद नेता रोहिणी आचार्य ने भी बिहार सरकार और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। रोहिणी आचार्य राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पुत्री हैं और पिछले लोकसभा चुनाव में सारण सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। इससे पहले सांसद मीसा भारती और राजद विधायक भाई वीरेंद्र सहित पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी मनेर मुठभेड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए थे।

सपा पार्षद समेत परिवार पर मामला दर्ज, महिला को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सपा पार्षद भैयालाल यादव और उनके परिवार के पांच लोगों पर एक महिला ने मामला दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि पहले दर्ज केस में पैरवी करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। महिला ने पार्षद की पत्नी, दोनों बेटों और साले को भी आरोपी बनाया है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का सऊदी अरब दौरा: अल-रहमा मस्जिद का भ्रमण

हज 2027 की तैयारियों पर मंथन



नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू वर्तमान में सऊदी अरब के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने जेद्दा स्थित प्रसिद्ध अल-रहमा मस्जिद का दौरा किया, इस फ्लोटिंग मस्जिद के नाम से भी जाना जाता है। यह दौरा उनके छठे हज सम्मेलन और प्रदर्शनी 2027 में हिस्सा लेने और सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए हुआ है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय हज यात्रियों के लिए आगामी यात्रा को सुगम बनाना है। अपनी यात्रा की झलक साझा कर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने बताया कि लाल सागर के तट पर स्थित यह मस्जिद आध्यात्मिक महत्व और वास्तुकला की सुंदरता का एक अद्भुत संगम है, जो सऊदी अरब की समृद्ध इस्लामी विरासत को दिखाता है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू शुक्रवार को ही छठे हज सम्मेलन और प्रदर्शनी 2027 में शामिल होने जेद्दा पहुंचे थे। जेद्दा में भारतीय महावाणिज्य दूत फहद सूरी ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने सम्मेलन में भागीदारी और द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत का मुख्य उद्देश्य सभी भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए एक सुगम, सुरक्षित और आरामदायक हज यात्रा सुनिश्चित करना है। गौरतलब है कि पिछले महीने, हज 2027 की तैयारियों को लेकर भारतीय राजदूत विपुल और सऊदी अरब के हज और उमराह उप-मंत्री अब्दुलफत्ताह बिन सुलेमान अल-मशात के बीच बैठक हुई थी। इसकी जानकारी जेद्दा में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दी थी, जिसमें बताया गया था कि राजदूत ने महावाणिज्य दूत सूरी और कॉन्सुल (हज) सदफ चौधरी के साथ मिलकर उप-मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने हज 2027 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की और आगामी हज के लिए भारतीय हज मिशन तथा सऊदी मंत्रालय के बीच निरंतर और करीबी समन्वय पर चर्चा की।

महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि तैयारियों के एक हिस्से के रूप में, राजदूत ने महावाणिज्य दूत और कॉन्सुल (हज) के साथ मिलकर जेद्दा हवाई अड्डे के हज टर्मिनल और हरमैन हाई-स्पीड रेलवे स्टेशन का भी दौरा किया। हज कमेटी ऑफ इंडिया के रास्ते यात्रा करने वाले एक लाख से अधिक भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए ये केंद्र आगमन और आगे की यात्रा के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। दौरे के दौरान, राजदूत ने दोनों जगहों पर सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आगामी हज की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों से बातचीत की।

ज्ञानेश कुमार पर तुषार गांधी का तंज... चुनाव आयोग का बेहद उदार संदेश

नई दिल्ली , एजेंसी। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के परपौते और सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी ने चुनाव आयोग की नई गाइडलाइंस पर तीखी प्रतिक्रिया देकर मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम काटने की कथित गलतियों को सुधारने से पहले ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया होनी चाहिए और उन्हें अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। तुषार गांधी ने चुनाव आयोग के उस फैसले पर तंज कसा, जिसमें मतदाता सूची के ड्राफ्ट से बाहर किए गए लोगों को फिर अपना नाम जुड़वाने का मौका दिया गया है। उन्होंने इस फैसले को चुनाव आयोग का बेहद उदार संदेश बताया। साथ ही कहा कि यदि आयोग वास्तव में अपनी गलतियों को सुधारना चाहता है और उसकी मंशा साफ है, तब सबसे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग चलाया जाना चाहिए। तुषार गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने जानबूझकर मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को पहले अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगनी चाहिए और उसके बाद मतदाता सूची में सुधार की प्रक्रिया आगे बढ़नी चाहिए। इसके बाद ही आयोग और उसके फैसलों को माफ करने की बात की जा सकती है। दरअसल, चुनाव आयोग ने एसआईआर के तीसरे चरण के तहत सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची से बाहर हुए लोगों को अपना नाम फिर शामिल कराने का मौका दिया है। नई गाइडलाइंस के अनुसार जिन मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट प्रविष्टि के आधार पर हटाए गए हैं, वे अपनी पात्रता साबित करने के लिए निर्धारित फॉर्म जमा कर सकते हैं।

जंतर-मंतर एट कोच्चि प्रदर्शन में बोले अभिजीत दिपके

● ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी

कोच्चि, एजेंसी। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को पार्टी के 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कोच्चि पहुंचे। कोच्चि एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने कहा कि यह लोगों का प्रदर्शन है और वह आयोजकों और अभिनेता प्रकाश राज के बुलावे पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उनकी लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था नहीं बन जाती। अभिजीत दिपके ने दावा किया कि 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए जाएं, जो कुल रजिस्टर्ड वोटरों का करीब 13-14 फीसदी है, तो ऐसे में चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष कैसे माना जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरे देश में वोटरों के नाम हटाए जा रहे हैं और ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहां वोटरों के नाम नहीं हटाए जा रहे हों। दरअसल, सीजेपी ने शनिवार को अपने 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' अभियान के तहत मरीन ड्राइव पर विरोध रैली निकाली। आयोजकों के मुताबिक, इसमें करीब 500 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। रैली में मतदाता सूची के एसआईआर को वापस लेने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। अभिनेता प्रकाश राज के नेतृत्व में निकली इस रैली में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य अध्यक्ष चिंथा जेरोम भी शामिल हुईं। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर सीईसी के खिलाफ नारे लगाए। रैली राजेंद्र मैदान में जाकर खत्म होगी, जहां अभिजीत दिपके प्रदर्शनकारियों को संबोधित करेंगे। रैली को देखते हुए पुलिस ने रास्ते में जवानों को तैनात किया है। पुलिस का मकसद ट्रैफिक को नियंत्रित करना और सडक़ पर जाम जैसी स्थिति को रोकना है।



सोमवती अमावस्या स्नान पर हरिद्वार में बदलेगी यातायात व्यवस्था, भारी वाहनों की शहर में नो एंट्री

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सोमवती अमावस्या स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए हरिद्वार पुलिस ने शहर के लिए विस्तृत यातायात और पार्किंग योजना जारी की है। स्नान पर्व के दौरान रात 12 बजे से पर्व की समाप्ति तक हरिद्वार शहर क्षेत्र में सभी भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यातायात का दबाव बढ़ने पर भारी वाहनों को सीमावर्ती क्षेत्रों में ही रोक दिया जाएगा। नगलाइमरती से आने वाले वाहनों को जरूरत के अनुसार वैकल्पिक मार्ग से बैरागी कैंप पार्किंग और होल्डिंग क्षेत्र में भेजा जाएगा। यहां से वाहनों को स्थिति के अनुसार धीरे-धीरे आगे जाने दिया जाएगा।

दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और पंजाब से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए नारसन, मंगलौर, कोर कॉलेज, ख्याति ढाबा, गुरुकुल कांगड़ी और शंकराचार्य चौक होते हुए हरिद्वार पहुंचने का मार्ग निर्धारित किया गया है। इन वाहनों की पार्किंग बैरागी कैंप, बीएचईएल और ऋषिकुल मैदान में होगी। यातायात का अत्यधिक दबाव होने पर नगलाइमरती, लक्सर, फेरूपुर, जगजीतपुर, एसएम तिराहा, शनि चौक और श्रीयंत्र पुलिया होते हुए वाहनों को बैरागी कैंप पार्किंग भेजा जाएगा। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा से आने वाले वाहनों का दबाव बढ़ने पर सहारनपुर, भगवानपुर, बिहारीगढ़ और मोहंड के रास्ते देहरादून तथा ऋषिकेश की ओर यातायात डायवर्ट किया जाएगा।



मुरादाबाद और नजीबाबाद की ओर से आने वाले छोटे वाहनों को चिड़ियापुर, श्यामपुर और चंडी चौक होते हुए नीलधारा तथा गौरीशंकर पार्किंग में भेजा जाएगा। बड़े वाहनों के लिए भी चिड़ियापुर और श्यामपुर मार्ग से निर्धारित पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। देहरादून और ऋषिकेश से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहन नेपाली फार्म और रायवाला होते हुए हरिद्वार पहुंचेंगे तथा लालजीवाला पार्किंग में खड़े किए जाएंगे। देहरादून और ऋषिकेश से दिल्ली-मेरठ जाने वाले वाहनों को चंडी चौक से राष्ट्रीय राजमार्ग-344 की ओर भेजा जाएगा।

स्नान पर्व के दौरान यातायात का दबाव बढ़ने पर देहरादून और ऋषिकेश जाने वाली निजी बसों को मोहंड मार्ग से भेजा जाएगा। ऋषिकेश से आने वाले विक्रम और ऑटो को जयराम मोड़ तक ही आने दिया जाएगा। पुल जटवाड़ा और बीएचईएल की ओर से आने वाले ऑटो-विक्रम के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। ललतारा पुल से शिवमूर्ति तक विक्रम, ऑटो और टैक्सियों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। बैरागी कैंप पार्किंग से शंकराचार्य चौक और तुलसी चौक तक निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वाहनों को भेजकर वापस किया जाएगा। देवपुरा चौक से शिवमूर्ति चौराहे के अंदर तक ई-रिक्शा और ई-ऑटो का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस ने वाहन चालकों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें तथा यातायात पुलिस के निदेर्शों का पालन करें, जिससे स्नान पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने राहुल-प्रियंका से की मुलाकात , संगठन और मुद्दों पर चर्चा

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान दोनों शीर्ष नेताओं को प्रदेश की 75 लाख जनता की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री सुक्खु ने मुलाकात की तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी। राहुल और प्रियंका गांधी ने भी हिमाचल प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। माना जा रहा है कि अहम बैठक में हिमाचल प्रदेश में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ है। बैठक में संभावित कैबिनेट विस्तार का मुद्दा भी उठा है, जिससे प्रदेश सरकार में नए चेहरों को जगह मिल सके। दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सुक्खू के दोपहर बाद शिमला लौटने की संभावना है।

जलवायु परिवर्तन से भारत की खाद्य सुरक्षा पर संकट, छह राज्यों में सूखा

हर साल 13 अरब डॉलर का खाद्य नुकसान

नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया में जलवायु परिवर्तन का बढ़ता प्रभाव अब भारत की कृषि व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। बढ़ते तापमान, अनियमित मानसून, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं से फसल उत्पादन को सीधे तौर पर प्रभावित कर रही है। नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को हर साल करीब 13 अरब अमेरिकी डॉलर का खाद्य नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसकी बड़ी वजह कमजोर भंडारण, परिवहन और कोल्ड चेन व्यवस्था है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के छह राज्यों में सूखे की घोषणा हो चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी खाद्य आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इससे किसानों की आमदनी घटने के साथ बाजार में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों पर भी असर पड़ रहा है।

रिपोर्ट में दिल्ली की आजादपुर मंडी का उदाहरण देकर बताया गया है कि वर्ष 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण एक फल विक्रेता को एक ही दिन में एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सामान्य परिस्थितियों में दो दिन तक सुरक्षित रहने वाले आम गर्मी के कारण एक दिन में ही खराब हुए थे। जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ के अनुसार, देश में करीब एक-तिहाई फल और सब्जियां उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती हैं। गर्मी का असर दूध उत्पादन और मिट्टी की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, अत्यधिक तापमान के कारण हर साल करीब 2,661 करोड़ का दूध उत्पादन प्रभावित होता है, जो करीब 18 लाख टन के बराबर है। देश की करीब 40 प्रतिशत पशुधन आबादी चरम मौसम के प्रति संवेदनशील है। कमजोर कोल्ड चेन के चलते फल-सब्जियों का करीब 40 प्रतिशत और अनाज का 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा बर्बाद हो जाता है। देश में केवल चार प्रतिशत ताजा कृषि उपज को ही कोल्ड स्टोरेज की सुविधा मिल पाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, 20 मिलियन हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि बाढ़, सूखे और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुई है। वहीं, कृषि में रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 1990 में प्रति हेक्टेयर उर्वरक खपत 73.5 किलोग्राम थी, जो 2023 में बढ़कर 199 किलोग्राम हो गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट से निपटने के लिए केवल मौसम पूर्वानुमान पर्याप्त नहीं है। किसानों को बेहतर सिंचाई, आधुनिक भंडारण, मौसम आधारित बीमा और समय पर सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। फसल विविधीकरण, जैविक खेती, सूखा प्रतिरोधी बीज और मिट्टी व जल संरक्षण को भी बढ़ावा देना होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपदा के बाद नुकसान की भरपाई करने के बजाय पहले से जोखिम कम करने वाली नीतियों और कृषि ढांचे में निवेश करना समय की मांग है।

रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले माफी मांगकर अयोध्या आएं : योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना, कहा- राम के अस्तित्व को स्वीकार करना हमारी वैचारिक विजय

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने अयोध्या की उपेक्षा की, भगवान राम के अस्तित्व को नकारा और रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, वे अयोध्या जरूर आएं, लेकिन माफी मांगकर आएं। उन्होंने कहा कि संतों का अपमान करने और उन पर लाठीचार्ज कराने वालों को भी अपने कृत्यों के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकारने के लिए न्यायालय में वकीलों की फौज खड़ी की थी, आज कम से कम उन्हें राम के अस्तित्व को स्वीकार करने की सद्बुद्धि आई है। यह हमारी वैचारिक विजय है। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने सभी को अपनाया था, लेकिन कोई मारीच बनकर आएगा तो वह राम के बाणों से बच नहीं पाएगा। योगी ने अयोध्या के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले यहां मुश्किल से तीन घंटे बिजली मिलती थी, जबकि आज अयोध्या स्मार्ट सिटी के साथ सोलर सिटी के रूप में भी पहचान बना चुकी है। धर्मपथ, भक्तिपथ, श्रीराम पथ और जन्मभूमि पथ देश-दुनिया के लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।



उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि परिसर में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र और माता शबरी के मंदिर सहित गिरिराज जटायु भी विराजमान हैं। उन्होंने अयोध्या में बने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या का तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, डबल इंजन सरकार अयोध्या में करीब 40 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं पूरी कर चुकी है या उन पर काम जारी है।

उत्तराखंड की राजनीति में भूचाल: रावत पर जैनी ने लगाए दुष्कर्म के आरोप, बच्चे के डीएनए टेस्ट की मांग

देहरादून , एजेंसी । विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड की राजनीति में 23 साल पुराने जैनी मामले ने फिर हलचल मचा दी है। महिला इंदिरा डेंजी, जिन्हें जैनी के नाम से जाना जाता है, ने पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाकर मामले की दोबारा सीबीआई जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने बच्चे का डीएनए टेस्ट करने की मांग उठा दी है। देहरादून में आयोजित प्रेसवार्ता में महिला ने बताया कि वह वर्ष 2002 में नौकरी की तलाश में देहरादून आई थीं। उस समय उनकी उम्र करीब 16 वर्ष थी। एक कार्यकर्ता के माध्यम से वे तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत के यमुना कॉलोनी स्थित आवास पहुंची थीं। महिला का आरोप है कि उन्हें टिहरी भेजने के बजाय आवास पर ही रोक लिया गया, जहां उनके साथ दुष्कर्म किया गया। जैनी ने दावा किया कि तब हरक सिंह रावत सत्ता में थे, इसलिए उनकी शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई।

कुंभ-2027 की तैयारियों को मिली रफ्तार, गंगा नहर बंदी में 10 नए घाटों का निर्माण और 56 पुराने घाटों की मरम्मत पूरी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के अंतर्गत हरिद्वार में गंगा नहर बंदी की अवधि का उपयोग करते हुए घाटों के निर्माण और मरम्मत के महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे कर लिए गए हैं। सामान्य जलप्रवाह शुरू होने के बाद जिन कार्यों को करना संभव नहीं था, उन्हें दिन-रात काम कराकर पूरा किया गया। मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी की गई, ताकि समयबद्धता के साथ गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जा सके। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अनुभव नौटियाल ने बताया कि कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरिद्वार में लगभग सवा तीन किलोमीटर लंबाई में 10 नए घाटों का निर्माण कराया जा रहा है। इन घाटों का अधिकांश निर्माण पूरा हो चुका है और शेष कार्य 30 नवंबर तक संपन्न करा लिए जाएंगे। इसके साथ ही अपर गंगा नहर पर पहले से निर्मित 34 घाटों तथा एस्केप चैनल पर स्थित 22 पुराने घाटों के जलमग्न रहने वाले हिस्सों की मरम्मत भी नहर बंदी के दौरान पूरी कर ली गई है।



उन्होंने बताया कि घाटों के वे हिस्से, जिनका निर्माण नदी तल में जलस्तर से नीचे किया जाना था, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। गंगा नहर बंदी की अवधि समाप्त होने से पहले सभी आवश्यक निर्माण और मरम्मत कार्य पूरे कर लिए गए हैं। अब सामान्य जलप्रवाह शुरू होने के बाद घाटों के जलस्तर से ऊपर के शेष निर्माण कार्यों के साथ सौंदर्यीकरण और अंतिम रूप देने का काम तेजी से कराया जाएगा। अनुभव नौटियाल ने कहा कि शेष कार्य भी निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे कराए जाएंगे, ताकि कुंभ मेला-2027 में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक घाट उपलब्ध कराए जा सकें।

दिव्यांग बच्चों के हुनर को मिला बाजार, विकास भवन में सजे दीपावली मेले में हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिव्यांगजनों की प्रतिभा को पहचान दिलाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शनिवार को विकास भवन में हुनर हाट दिव्यांगजन दीपावली मेला आयोजित किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन संस्था की ओर से दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से आयोजित मेले का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि, दिव्यांगजन और बड़ी संख्या में आगंतुक मौजूद रहे। मेले में दिव्यांग बच्चों और युवाओं द्वारा अपने हाथों से



तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा उनकी बिक्री भी हुई। प्रदर्शनी में मिट्टी के दीये, रंग-बिरंगी मोमबत्तियां, सजावटी मालाएं, लिफाफे और दीपावली पर घरों व प्रतिष्ठानों को सजाने वाली आकर्षक हस्तनिर्मित वस्तुएं लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। आयोजन में इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन, आनंदा ट्रेनिंग सेंटर, भागीरथ सेवा संस्थान, नीव शक्ति संस्थान और बचपन डे केयर, नोएडा सहित कई संस्थाओं ने भाग लिया। इनमें बौद्धिक दिव्यांगता, श्रवण बाधित और अन्य श्रेणियों के बच्चों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सम्मान, कल्याण और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य उन्हें आर्थिक सहायता देने के साथ शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने दिव्यांग पेंशन, सहायक उपकरण वितरण, मोटर चालित तिपहिया साइकिल, दुकान निर्माण एवं संचालन, विवाह प्रोत्साहन, विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र और कॉक्लियर प्रत्यारोपण जैसी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांग बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराते हैं। समाज के लोगों को भी इन उत्पादों की खरीदारी कर उनका उत्साह बढ़ाना चाहिए। मेले का उद्देश्य दिव्यांगजनों के कौशल, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना रहा।

वसुंधरा पुलिस चौकी में जोरदार धमाका, दो खिड़कियों के शीशे टूटे और दीवार में आई दरार, पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ बोले- हर पहलू से हो रही जांच

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की वसुंधरा पुलिस चौकी में शुक्रवार रात करीब नौ बजे हुए जोरदार धमाके से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमाका इतना तेज था कि चौकी की दो खिड़कियों के शीशे टूट गए और दीवार में भी दरार आ गई। घटना के समय चौकी में एक उपनिरीक्षक और सामान पहुंचाने आया एक डिलीवरी कर्मचारी मौजूद था। टूटे हुए कांच की चपेट में आने से डिलीवरी कर्मचारी घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने भी शनिवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि



शुक्रवार रात करीब नौ बजे इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वसुंधरा पुलिस चौकी की पिछली दीवार के पास धमाके की सूचना मिली थी। उस समय वहां एक उपनिरीक्षक और एक डिलीवरी कर्मचारी मौजूद थे। घटना के बाद तत्काल जांच शुरू कर दी गई और मौके से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। पुलिस आयुक्त ने बताया कि बम निरोधक दस्ता, क्षेत्रीय जांच इकाई और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। अभी तक धमाके के वास्तविक कारण का पता नहीं चल पाया है। सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच और प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल सकेगा कि धमाका किस वजह से हुआ। घटना के बाद उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता सहित विभिन्न जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। सोशल मीडिया पर एक संगठन द्वारा घटना की जिम्मेदारी लेने संबंधी दावा भी सामने आया है, जिसकी सत्यता की जांच की जा रही है। पुलिस ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां मामले की गहनता से जांच कर रही हैं।

गुर्जरपुर बी में सहकारी समिति का शुभारंभ, छह गांवों के किसानों को खाद और कृषि सुविधाओं का मिलेगा लाभ

शामली (शिखर समाचार)। जनपद शामली के गुर्जरपुर बी में नवनिर्मित प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समिति (पैक्स) का लोकार्पण विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र चौधरी ने किया। छह गांवों को मिलाकर गठित इस सहकारी समिति के शुरू होने से क्षेत्र के किसानों को खाद, कृषि संबंधी सुविधाओं और सहकारिता विभाग की योजनाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा। लोकार्पण समारोह में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता शामली, जिला कृषि अधिकारी शामली तथा खंड विकास अधिकारी कांधला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वीरेंद्र चौधरी ने



समिति से जुड़े छह गांवों के एक-एक सदस्य को उर्वरक का एक-एक बैग वितरित कर खाद वितरण की शुरूआत की। इस पहल के साथ समिति की गतिविधियों का विधिवत शुभारंभ हुआ। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे, जिससे किसानों को खाद की कमी का सामना न करना पड़े। वहीं, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ने समिति के संगठनात्मक ढांचे, कार्यप्रणाली और इसके माध्यम से किसानों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियां किसानों की कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। समारोह में क्षेत्र के ग्राम प्रधान, कांधला ब्लॉक प्रमुख, आसपास की सहकारी समितियों के सभापति एवं सचिव तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। छह गांवों को जोड़कर गठित इस समिति के लोकार्पण को क्षेत्र में सहकारी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम का समापन अतिथियों और किसानों के प्रति आभार व्यक्त करके किया गया।

DR. K.N. MODI FOUNDATION
MODINAGAR, GHAZIABAD (U.P.).
84 YEARS OF EXCELLENCE IN EDUCATION
DR. K.N. MODI UNIVERSITY (NCR)
ADMISSIONS OPEN 2026-2027
TOLL FREE: 1800-212-1112 CALL- 9927-999-601 / 610
www.dknmuncr.edu.in E-mail: admissions@dknmuncr.edu.in, info@dknmuncr.edu.in
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं!
67 COURSES
10,000+ PLACEMENTS
26 CAMPUSES
1,000+ GIRLS IN HOSTEL
250 ACRES LAND
38,500+ STUDENTS
800+ FACULTY
11,000+ GIRL STUDENTS
Available Streams
Courses Offered
B.Tech, M.Tech, BBA, MBA, BCA, MCA
B.Sc., M.Sc., B.Com, M.Com, B.A., M.A.,
D.Pharm, B.Pharm, M.Pharm, BA.LLB, LLB, LLM,
B.Sc. (BIO-TECH), M.Sc. (BIO-TECH),
B.Sc. (Graphics & Web Design), M.Sc. (Graphics & Web Design),
B.Sc. (Forensic Science), M.Sc. (Forensic Science),
B.Lib., M.Lib, Allied & Health Care,
Journalism & Mass Comm., B.Fashion Designe
B.Ed./M.Ed. (Only for Girls)
Diploma in Engineering MBA International Ph.D. & many more courses.
Modinagar - +91-8859-500-790 / 91 / 92 / 93. E-mail: admissions@knmodifoundation.com

INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES
IMS
GHAZIABAD
Estd. 1990
IMS GHAZIABAD
GROUP OF INSTITUTIONS
Happy
Diwali
CAMPUS - 1 Lal Kuan
Campus - 2 Dasna
Campus - 3 Adhyatmik Nagar
Management | Engineering | I.T | Bio-Science
Journalism | International Business
www.imsgroup.ac.in

GS UNIVERSITY
GS UNIVERSITY
Established under Uttar Pradesh Private Universities Act 12 of 2019
and recognised by UGC under 2(f)
M.B.B.S. | MD | MS | B.A.M.S.
B.Sc. Nursing | B.Pharm
G.N.M. | D.Pharm
आप सभी को
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
Just 40 min from Delhi
Admission Helpline:
+91-8077793917, +91-7055514516
NCR | NH-9, Pilkhuwa, Hapur, U.P. | www.gsuniversity.ac.in

संक्षिप्त समाचार

ट्रेनों में भीड़ बढ़ी तो रेलवे ने बढ़ाईं 29 स्पेशल ट्रेनें, अब 673 फेरे लगाएंगी 71 ट्रेनें

आगरा, एजेंसी। दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वाले यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे ने 29 और स्पेशल ट्रेनें बढ़ा दी हैं। पहले से 42 स्पेशल ट्रेनों का संचालन हो रहा था, अब इनकी संख्या 71 हो गई है। ये ट्रेनें कुल 673 फेरे लगाएंगी। आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ईदगाह, मथुरा जंक्शन और धौलपुर स्टेशनों पर इनके ठहराव से यात्रियों को विभिन्न शहरों तक पहुंचने के अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे। आगरा रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विशेष ट्रेनों के साथ कुछ नियमित ट्रेनों का विस्तार भी किया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, पटना, बनारस, कोलकाता और जोधपुर समेत कई शहरों के लिए अतिरिक्त सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इन ट्रेनों का किया जा रहा संचालन खजुराहो–निजामुद्दीन, निजामुद्दीन–खजुराहो, खजुराहो–उदयपुर सिटी, उदयपुर सिटी–खजुराहो, आगरा–कोलकाता, कोलकाता–आगरा, खजुराहो–रायपुर, रायपुर–खजुराहो और हावड़ा की ओर जाने वाली ट्रेनें शामिल हैं। ईदगाह से वडोदरा–गोरखपुर, गोरखपुर–वडोदरा, गोंडा–बलिया, बलिया–गोंडा, साबरमती–प्रयागराज, सूबेदारगंज–बलिया, बलिया–सूबेदारगंज, उधना–लालकुआं और लालकुआं–उधना स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं।

होल्डिंग एरिया में बैठेंगे यात्री आगरा कैंट पर होल्डिंग एरिया बनाया गया हैं, ताकि प्लेटफॉर्म पर भीड़ न बढ़े। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और आरपीएफ की शिफ्टवार तैनाती की गई है। पीए सिस्टम से ट्रेनों के आगमन, प्रस्थान और प्लेटफार्म परिवर्तन की सूचना दी जा रही है।

छठ और देव दीपावली के पहले गंगा घाटों की सफाई और सुविधाएं बेहतर करने पर जोर

वाराणसी , एजेंसी। छठ पूजा, देव दीपावली को ध्यान में रखकर मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने शुक्रवार को गंगा घाटों का निरीक्षण किया। घाटों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सीढ़ियों की स्थिति, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया और समय से मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने पर जोर दिया। मेयर ने कहा कि काशी में छठ पूजा एवं देव दीपावली का विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। नगर निगम की प्राथमिकता है कि सभी घाटों पर स्वच्छता, प्रकाश, सुरक्षा एवं नागरिक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों की नियमित एवं विशेष साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए। जहां कहीं भी मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था या अन्य आवश्यक कार्यों की जरूरत है, उन्हें समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। साथ ही पर्वों के दौरान घाटों पर निरंतर निगरानी रखते हुए व्यवस्थाओं को चुस्त–दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि छठ पूजा एवं देव दीपावली के आयोजन से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं, जिससे काशी आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

त्योहार पर घर लौटने वालों को परेशानी, ट्रेन-बस में मारामारी

गोरखपुर , एजेंसी। दिवाली पर घर लौटने वालों की भीड़ शुक्रवार को रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर उमड़ पड़ी। ट्रेनों से बड़ी संख्या में यात्री गोरखपुर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों का सिलसिला देर तक जारी रहा। स्टेशन परिसर से बाहर निकलने के बाद लोगों को अपने घरों तक पहुंचने के लिए लोकल बसों का सहारा लेना पड़ा। बसों में भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए परिवहन निगम ने 300 अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की थी।

इसके अलावा लोकल रूटों पर संचालित 400 बसों के फेरे भी बढ़ाए गए, ताकि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी न हो। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक लव कुमार सिंह ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त बसों की व्यवस्था की गई है। 300 अतिरिक्त बसें चलाने के साथ ही फेरे बढ़ाए गए हैं।

शुक्लागंज के स्कूलों में दीपावली की धूम, बच्चों ने सजाई रंगोलियां...

आतिशबाजी भी की, मेधावी पुरस्कृत



कानपुर, एजेंसी। शुक्लागंज नगर के ज्यादातर स्कूलों में शुक्रवार को दीपोत्सव मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने आकर्षक रंगोली सजाई। स्कूल में भव्य सजावट की। साथ ही जमकर आतिशबाजी भी की।

रंगोली प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कंचन नगर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में धनतेरस और दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी कक्षाओं में भव्य सजावट की। साथ ही आकर्षक रंगोली बनाई। प्रबंधक प्रभात शुक्ला ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। सह प्रबंधक विराट शुक्ला ने दीपावली के पर्व के बारे में बताया। वहीं, अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल एवं अंबिका प्रसाद मेमोरियल लिटिल किंगडम में दीपावली का पर्व मनाया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया विद्यार्थियों के लिए विभिन्न इंटर हाउस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा एवं कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया। प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने बताया कि कक्षा एक से चार तक के नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए रंगोली, दीया मेकिंग एवं तोरण मेकिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

स्कूलों में दीपोत्सव पर्व मनाया गया पनी रोड स्थित दयानंद सरस्वती इंटर कॉलेज में रंगोली एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र चंचल दीक्षित, माही श्रीवास्तव, उपासना अवस्थी एवं नैन्सी झा को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य सुधा तिवारी और अभिषेक तिवारी मौजूद रहे। गांधी नगर स्थित ब्राइट कैरियर, आनंद नगर स्थित शिवम कांवेंट समेत अन्य स्कूलों में भी दीपोत्सव पर्व मनाया गया।

बीमा पॉलिसी का पैसा लौटाने का झांसा देकर शिक्षक से 29.17 लाख की ठगी, फर्जी चालान से दिया भरोसा



हापुड़ (शिखर समाचार)। साइबर ठगों ने भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण का अधिकारी बनकर बंद पड़ी बीमा पॉलिसी की रकम ब्याज सहित वापस दिलाने का झांसा देकर बेसिक शिक्षा विभाग के एक शिक्षक से 29 लाख 17 हजार 490 रुपये ठग लिए। आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्र और चालान भेजकर शिक्षक को अपने जाल में फंसाए रखा। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हापुड़ के हर्ष विहार निवासी वेद प्रकाश बरेली जिले में सहायक शिक्षक हैं। उन्होंने मई 2023 में फ्यूचर जनरली कंपनी से 54,610 रुपये वार्षिक प्रीमियम वाली बीमा पॉलिसी खरीदी थी। दो किस्त जमा करने के बाद वह आगे प्रीमियम नहीं भर सके। आरोप है कि 26 जनवरी 2026 को रोहित शर्मा नामक व्यक्ति ने फोन कर खुद को हैदराबाद स्थित भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के मुख्यालय का अधिकारी बताया। पॉलिसी की पूरी जानकारी देकर उसने शिक्षक का विश्वास जीत लिया और पॉलिसी बंद कराने पर ब्याज सहित पूरी रकम लौटाने का भरोसा दिया। इसके बाद व्हाट्सएप पर फर्जी पहचान पत्र भेजकर पॉलिसी निरस्तीकरण शुल्क के नाम पर 5,600 रुपये मांगे। धीरे-धीरे अलग-अलग शुल्क और कर के नाम पर 14 लाख 38 हजार 900 रुपये विभिन्न खातों में जमा करा लिए।

इसके बाद नकुल सिंह नामक व्यक्ति ने रोहित शर्मा के इस्तीफा देने की बात कहकर पॉलिसी बंद कराने की जिम्मेदारी संभालने का दावा किया और पहले जमा रकम डूबने का डर दिखाकर 9 लाख 86 हजार 100 रुपये और ले लिए। उसने 20 अप्रैल तक 35 लाख 85 हजार 399 रुपये लौटाने का फर्जी चालान भी भेजा। बाद में साहुल शाहीन ने नया प्रभारी बनकर 1 लाख 77 हजार 500 रुपये तथा स्वाति गुप्ता ने खुद को शाखा प्रबंधक बताकर 2 लाख 93 हजार 400 रुपये और जमा करा लिए। इसके बाद दूसरा फर्जी चालान भेजकर 44 लाख 38 हजार 518 रुपये लौटाने का दावा किया गया। 26 अक्टूबर को शिक्षक दस्तावेज लेकर नई दिल्ली स्थित प्राधिकरण के मुख्यालय पहुंचे तो दोनों चालान फर्जी निकले। इसके बाद उन्होंने साइबर थाने में शिकायत की। एसपी मधुवन कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। बैंक लेनदेन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश और जांच की जा रही है।

शिक्षकों की पहल से दो बेटियों को मिला कन्यादान, 51-51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता



हापुड़ (शिखर समाचार)। टीचर्स सेल्फ केयर टीम हापुड़ ने सामाजिक सरोकारों की मिसाल पेश करते हुए दो जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्था के कोष से कन्यादान के रूप में 51-51 हजार रुपये के दो चेक वितरित किए गए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने गढ़ निवासी यूनुस सलीम और हापुड़ निवासी खलील अहमद को सहायता राशि के चेक सौंपे। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने टीचर्स सेल्फ केयर टीम की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग करना सराहनीय कार्य है। यह योजना समाज के जरूरतमंद लोगों को संबल प्रदान करती है। जनपद के सभी शिक्षकों को इस पहल से जुड़कर सहयोग करना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों की सहायता की जा सके। कार्यक्रम में टीचर्स सेल्फ केयर टीम की ओर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान टीम की मंडल प्रवक्ता जयश्री और जिला संयोजक नौशाद अली ने उन्हें संस्था की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों और सामाजिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही संस्था की वार्षिक पत्रिका भी भेंट की। टीम के इस प्रयास को जरूरतमंद परिवारों की सहायता और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

समाधान दिवस में डीएम और एसपी ने सुनीं फरियादियों की शिकायतें, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश



हापुड़ (शिखर समाचार)। तहसील हापुड़ के सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनी गईं। अधिकारियों ने शिकायतकताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी कविता मीना ने अधिकारियों से कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्षता से जांच कराते हुए शिकायतकर्ता को समयबद्ध तरीके से राहत पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी शिकायतों को केवल औपचारिकता के रूप में न लें, बल्कि मौके पर जांच कर वास्तविक समस्या का समाधान करें।

पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह ने भी पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतों की जांच निष्पक्षता से करने तथा पीड़ितों को उचित राहत उपलब्ध कराने पर जोर दिया। संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का एक ही स्थान पर सुनवाई कराकर उनका प्रभावी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना रहा।

त्योहारी भीड़ को देखते हुए पुलिस सतर्क, तेज आवाज में पटाखे छोड़ने वाली बाइकों पर विशेष नजर



रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। त्योहारी सीजन में बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय कोतवाली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। किसी भी अप्रिय घटना और सड़क दुर्घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है। नगर के प्रमुख बाजारों सहित थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर वाहनों को रोककर उनकी जांच की जा रही है। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों से वाहन चलाने का अनुज्ञापत्र, प्रदूषण प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्यक कागजात की जांच की जा रही है।

शुक्रवार को नगर के मुख्य बाजारों में भारी भीड़ के बीच भी पुलिस ने वाहन जांच अभियान जारी रखा। पुलिसकर्मी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने में जुटे रहे। वहीं, पिछले कई दिनों से स्थानीय पुलिस को दोपहिया वाहनों से पटाखे फोड़ने जैसी तेज आवाज निकालने की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। शिकायतों के अनुसार नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ युवा अपनी बाइकों में इस प्रकार के तेज आवाज करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को परेशानी हो रही है और लोगों की नींद तक प्रभावित हो रही है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विशेष रूप से युवा दोपहिया वाहन चालकों पर नजर रख रही है। पुलिस की सतर्कता का उद्देश्य त्योहारी माहौल में शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई करना है।

कूड़ा प्लांट की हवा जांचेगी आईआईटी रुड़की टीम

बरेली , एजेंसी। सथरापुर स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट के आसपास रहने वाले लोगों के लिए राहत की खबर है। आईआईटी रुड़की की टीम प्लांट से निकलने वाली हवा की गुणवत्ता और उसमें बैक्टीरिया की मौजूदगी की जांच करेगी। टीम आसपास के वातावरण के नमूने लेकर उनका परीक्षण करेगी। यह जांच कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रिया का आसपास की हवा पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करेगी। नगर निगम 27 करोड़ रुपये की लागत से 500 टन क्षमता के इस प्लांट का संचालन पाथ्या कंपनी के माध्यम से कर रहा है। यहां प्रतिदिन शहर से एकत्र होने वाले कूड़े का निस्तारण किया जाता है। प्लांट में गीले व सूखे कूड़े के पृथक्करण के साथ वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण की व्यवस्था है। आईआईटी रुड़की की जांच से हवा में बैक्टीरिया की स्थिति और संभावित प्रदूषण का आकलन करने में मदद मिलेगी। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर प्लांट के आसपास की पर्यावरणीय स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। नगर निगम स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी प्लांट का भ्रमण कराएगा। इसका उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता, कूड़ा पृथक्करण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विद्यार्थियों को बताया जाएगा कि घरों से निकलने वाला कूड़ा कैसे एकत्र होता है। उन्हें प्लांट में कूड़े के पृथक्करण व निस्तारण की प्रक्रिया भी समझाई जाएगी।

गन्ने के खेत में मिला नवजात का शव, ग्रामीणों में मचा हड़कंप



बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना नगीना देहात क्षेत्र के ग्राम कमालपुर भोगा के पास गन्ने के खेत में नवजात बालक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। आशंका है कि जन्म के बाद किसी ने नवजात को खेत में छोड़ दिया था, जहां समय पर देखभाल नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, सुबह गांव के कुछ ग्रामीण खेतों की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर गन्ने के खेत में पड़े नवजात शिशु पर पड़ी। पास जाकर देखने पर उसके मृत होने की जानकारी हुई। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगीना देहात थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच-पड़ताल की।

प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि किसी महिला ने बच्चे को जन्म देने के बाद सामाजिक बदनामी या लोकलाज के डर से उसे खेत में छोड़ दिया होगा। हालांकि, पुलिस ने इस आशंका की पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने नवजात के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। नवजात को खेत में छोड़ने की परिस्थितियों और घटना के लिए जिम्मेदार व्यक्ति का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित

गोरखपुर , एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रकाश पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी व पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष मोहन चौहान की संस्तुति के बाद पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष गणेश निषाद ने जिला पदाधिकारियों की घोषणा की है। दिलीप यादव, देवेश निषाद, शैलेन्द्र पाल, जितेन्द्र जायसवाल, जितेन्द्र सिंह सैंथवार, खड़गबहादुर यादव, धर्मेन्द्र निषाद, अजय सिंह सैंथवार को जिला उपाध्यक्ष, बृजभूषण सिंह सैंथवार, सुरेन्द्र निषाद, विनोद शर्मा को जिला महामंत्री, धर्मवीर जायसवाल, विशम्भरनाथ शर्मा, दिनेश निषाद, अंगद निषाद, रामसिंह सैंथवार, संदीप मौर्या, गिरजेश रावत, दिनेश गुप्ता को जिला मंत्री, ओमप्रकाश सिंह सैंथवार जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया है। संदीप विश्वकर्मा जिला मीडिया संयोजक व बृजेश सिंह सैंथवार को जिला मीडिया सह-संयोजक, शिवरतन गोस्वामी जिला सोशल मीडिया संयोजक व दयाशंकर यादव को जिला सोशल मीडिया सह-संयोजक, जगरनाथ जायसवाल जिला आईटी संयोजक व रामआशीष वर्मा को जिला आईटी सह-संयोजक बनाया गया है। वहीं छांगुर प्रजापति, संजय मौर्य, शेषमणि जायसवाल, संजय विश्वकर्मा, रामदवन सिंह सैंथवार, महन्थ गुप्ता, अशोक निषाद, अजय मौर्य, विवेक सिंह सैंथवार तथा विनय सैनी को जिला कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया गया है।

दीपावली की सजावट से निखरी विद्यार्थियों की प्रतिभा, कक्षा सज्जा प्रतियोगिता में दिखा उत्साह



कैराना/शामली (शिखर समाचार)। दीपावली के पर्व पर स्वामी विवेकानंद पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में रंगारंग समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा सज्जा प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने सामूहिक प्रयासों से अपनी-अपनी कक्षाओं को आकर्षक ढंग से सजाया। रंग-बिरंगी सजावट, सुंदर कलाकृतियों और दीपावली की पारंपरिक थीम से विद्यालय का वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो गया।

प्रतियोगिता में नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी की कक्षाओं ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा पांच ने द्वितीय तथा कक्षा 10 बी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता कक्षाओं के विद्यार्थियों के साथ सभी प्रतिभागियों ने अपनी सजावट और कलात्मक प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय प्रबंधन और प्रधानाचार्य ने विजेता विद्यार्थियों तथा सभी कक्षा अध्यापकों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक प्रतियोगिताओं से बच्चों में कलात्मक अभिरुचि, सहयोग, आत्मविश्वास और सामूहिक रूप से कार्य करने की भावना विकसित होती है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी मिलता है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति और पारंपरिक त्योहारों के महत्व से परिचित कराने के साथ उनमें रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना रहा। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं।

350 परिवारों के घर पहुंचा स्वच्छ पेयजल का उपहार

अलीगढ़ , एजेंसी। इगलास विकासखंड के रुस्तमपुर खोजान गांव में दिवाली पर ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सौगात मिली है। जल जीवन मिशन के तहत तैयार पेयजल योजना का शुक्रवार को ग्राम पंचायत प्रशासक लक्ष्मी देवी की मौजूदगी में जलार्पण किया गया। इससे गांव के 350 परिवारों की 2063 आबादी को घरों में नल से पानी मिलने का रास्ता साफ हो गया है। अब तक ग्रामीणों को पानी के लिए हैंडपंप और दूसरे जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। खासकर महिलाओं और बच्चियों को घरेलू जरूरतों के लिए पानी जुटाने में काफी समय लगाना पड़ता था। अब घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचने पर इस परेशानी से राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के प्रभारी अधीक्षण अभियंता लोकेश शर्मा ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना है। उन्होंने ग्रामीणों से पानी की बर्बादी रोकने, जल संरक्षण अपनाने और नल व पाइपलाइन की देखभाल करने की अपील की।

शिवम निमेष को भाजपा अनुसूचित मोर्चा में जिला मंत्री की जिम्मेदारी, अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार के तहत बुढ़ाना बार एसोसिएशन के अधिवक्ता शिवम निमेष को अनुसूचित मोर्चा का जिला मंत्री नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की जानकारी मिलने पर उनके समर्थकों और अधिवक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई।



बुढ़ाना तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने फूल मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर अधिवक्ता फिरोज मंसूरी, प्रशांत शर्मा, मेहराज, इसरार और रविंद्र कुमार सहित अन्य अधिवक्ताओं ने शिवम निमेष को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। स्वागत समारोह के दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। अधिवक्ताओं ने विश्वास जताया कि शिवम निमेष संगठन को मजबूत बनाने के साथ ही समाज के लोगों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाएंगे। नवनियुक्त जिला मंत्री शिवम निमेष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुसूचित मोर्चा के माध्यम से केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य किया जाएगा। साथ ही संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

जनगणना के दौरान मतदाता सूची से जोड़े जाएंगे छूटे पात्र नागरिक, 16 नवंबर से शुरू होगी स्व-गणना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मतदाता सूची के शुद्धिकरण और जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, मतदान केंद्रों की नई सूची और जनगणना के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विशेष पहल करते हुए जनगणना अभियान के दौरान 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के ऐसे नागरिकों को चिह्नित करने के निर्देश दिए, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है।



बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 865 मतदान केंद्रों पर 3,073 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। इनमें लोनी में 540, मुरादनगर में 504, साहिबाबाद में 1,033, गाजियाबाद में 489, मोदीनगर में 382 और धौलाना आंशिक क्षेत्र में 125 मतदेय स्थल शामिल हैं। निर्वाचन कार्य के लिए पांच निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 26 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 865 पर्यवेक्षक और 3,073 बूथ स्तरीय अधिकारी तैनात किए गए हैं।

जनगणना के दूसरे चरण में 16 से 30 नवंबर 2026 तक नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा मिलेगी। इसके लिए se.census.gov.in पोर्टल निर्धारित किया गया है। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे। स्व-गणना पूरी करने के बाद नागरिकों को प्राप्त पहचान संख्या सुरक्षित रखनी होगी, ताकि प्रगणक के पहुंचने पर उसका सत्यापन कराया जा सके। जनपद में जनगणना के लिए 9,440 गणना खंड बनाए गए हैं तथा 16 चार्ज अधिकारी, 1,169 पर्यवेक्षक और 7,162 प्रगणक तैनात किए गए हैं।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने निर्देश दिए कि जनगणना के दौरान मतदाता सूची से वंचित पात्र नागरिकों की जानकारी संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारियों तक पहुंचाई जाए, ताकि नियमानुसार उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराए जा सकें। उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ अभियान चलाने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

गोल्ड मेडलिस्ट प्रवीण कुमार का योगेंद्र छोकर ने किया सम्मान, युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित



जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के गांव गोविंदगढ़ निवासी गोल्ड मेडलिस्ट प्रवीण कुमार का शनिवार को वरिष्ठ समाजसेवी योगेंद्र छोकर ने अपने कार्यालय पर भव्य स्वागत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रवीण कुमार को सम्मानित करते हुए उनकी खेल उपलब्धियों की सराहना की गई। कार्यक्रम में युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और अपनी प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

सम्मान समारोह में प्रवीण कुमार ने कहा कि उनका लक्ष्य भविष्य में भी देश के लिए और अधिक स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा को निखारने, मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने तथा खेलों में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने युवाओं को खेल के क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। समाजसेवी योगेंद्र छोकर ने कहा कि प्रवीण कुमार ने अपनी उपलब्धियों से देश, जिले और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता पर पूरे क्षेत्र को गर्व है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर और खेल सुविधाएं मिलनी चाहिए। योगेंद्र छोकर ने बताया कि वह वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जनता उन्हें अवसर देती है तो क्षेत्र में कई खेल मैदानों का निर्माण कराया जाएगा, जिससे प्रवीण कुमार जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल सकें। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

मोदीनगर में निमार्णाधीन गोदाम का लिंटर ढहा, सेंटरिंग ठेकेदार की मौत और आठ मजदूर घायल; परिजनों ने लगाया जाम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। सीकरी खुर्द में कलछीना मार्ग पर शनिवार सुबह निमार्णाधीन गोदाम का लिंटर अचानक भरभराकर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। करीब 20 फीट की ऊंचाई पर लिंटर डालने के दौरान सेंटरिंग की बल्ली टूट गई, जिससे दीवार, सेंटरिंग और सरियों का जाल नीचे आ गिरा। मलबे में दबने से सेंटरिंग ठेकेदार गौरीशंकर उर्फ छोटू (30) की मौत हो गई, जबकि आठ मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रतिवादन बल और दमकल विभाग की टीमों ने पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद सभी नौ लोगों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार सीकरी खुर्द निवासी सत्ते सिंह कलछीना मार्ग पर पशुओं के चारे और भूसे के भंडारण के लिए गोदाम बनवा रहे थे। सेंटरिंग का ठेका फरीदनगर निवासी गौरीशंकर उर्फ छोटू के पास था, जबकि निर्माण कार्य का ठेका नंदनगरी निवासी पप्पू को दिया गया था। शनिवार सुबह करीब नौ बजे गौरीशंकर और पप्पू मजदूरों के साथ लिंटर डालने का काम





कर रहे थे। इसी दौरान सेंटरिंग में लगी बल्ली टूट गई और पूरी संरचना ढह गई।

हादसे में सोभी निवासी पट्टी गांव, नरेंद्र निवासी इशाकनगर, सचिन और दीपक निवासी मलियाना मेरठ, बबलू तथा बोबी निवासी भूपेंद्रपुरी मोदीनगर घायल हुए। इसके अलावा पप्पू और उसका भाई मनोज भी घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, उपजिलाधिकारी कोमल पंवार और एसीपी सिद्धार्थ गौतम सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

उधर, मृतक के परिजनों ने मुआवजे और गोदाम मालिक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के सामने दिल्ली-मेरठ मार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी कोमल पंवार ने बताया कि मृतक के परिजनों और बच्चों को आर्थिक सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।



शामली चीनी मिल में नए पेराई सत्र की तैयारियां तेज, 10 नवंबर से 23 क्रय केंद्रों पर शुरू होगी गन्ने की तौल

शामली (शिखर समाचार)। त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शामली चीनी मिल में पेराई सत्र 2026-27 के शुभारंभ की तैयारियों के तहत गन्ना इंडेंट पूजन विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। पूजन महाप्रबंधक (गन्ना) सतीश बालियान एवं सहकारी गन्ना विकास समिति शामली के सचिव ने किया। इस अवसर पर आगामी पेराई सत्र के सफल एवं सुचारु संचालन के साथ क्षेत्र के गन्ना किसानों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई। चीनी मिल प्रबंधन के अनुसार, मिल की ओर से 23 बाहरी गन्ना क्रय केंद्रों के लिए 10 नवंबर 2026 को गन्ने की तौल के लिए आपूर्ति



पर्चियां जारी कर दी गई हैं। इससे आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ना खरीद की प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। मिल प्रबंधन ने क्षेत्र के सभी गन्ना किसानों को नए पेराई सत्र और दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनसे निर्धारित व्यवस्था के अनुसार गन्ना आपूर्ति करने की अपील की है। मिल अधिकारियों ने किसानों से कहा कि वे अपनी आपूर्ति पर्ची पर अंकित तिथि के अनुसार ही गन्ने की कटाई करें। साथ ही निर्धारित आपूर्ति केंद्र पर ताजा और साफ-सुथरा गन्ना ही पहुंचाएं, जिससे तौल एवं खरीद व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पूजन कार्यक्रम में गन्ना विकास प्रमुख सी.पी. मलिक, दीपक राणा, के.पी. सरोहा, सुशील पंवार और मगनवीर राणा सहित गन्ना विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।





संपादकीय

मतदाता सूची के नाम पर लोकतंत्र की कसौटी बना एसआईआर, कोच्चि की सड़कों से उठी चुनाव आयोग के खिलाफ आवाज

भारत में लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का मताधिकार है। यही अधिकार एक सामान्य नागरिक को देश की सत्ता चुनने और सरकार से सवाल पूछने की शक्ति प्रदान करता है। इसलिए मतदाता सूची का शुद्ध, पारदर्शी और निष्पक्ष होना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है। लेकिन जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में सवाल उठने लगें और नागरिकों को अपने मतदान के अधिकार पर आशंका होने लगे तो यह विषय केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा राष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। सात नवंबर 2026 को केरल के कोच्चि में आयोजित विरोध प्रदर्शन ने इसी बहस को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

कोच्चि में कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर आयोजित जंतर मंतर एट कोच्चि प्रदर्शन में सैकड़ों युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने हिस्सा लिया। शनिवार शाम चार बजे मरीन ड्राइव से शुरू हुआ मार्च राजेंद्र मैदान पहुंचा, जहां विरोध सभा आयोजित की गई। अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज ने मार्च का नेतृत्व किया। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके अलावा पार्टी की राष्ट्रीय नेता अफरीन नवाज और दक्षिण भारत के प्रभारी विजय रेड्डी मल्लांगी सहित अन्य कार्यकताओं ने भी भाग लिया। प्रदर्शन में राष्ट्रीय ध्वज लेकर पहुंचे लोगों ने एसआईआर वापस लेने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार आयोजकों ने प्रदर्शन में करीब पांच सौ कार्यकताओं के शामिल होने की जानकारी दी। लोकतांत्रिक युवा महासंघ केरल की प्रदेश अध्यक्ष चिंथा जेरोम की भागीदारी भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण पक्ष रही। इस प्रदर्शन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की सभा नहीं थी, बल्कि मतदाता अधिकारों और निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर असंतोष जाहिर करने का सार्वजनिक प्रयास भी था। अभिजीत दीपके ने कोच्चि पहुंचने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था स्थापित होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था में चुनावों की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। हालांकि ये प्रदर्शनकारियों और पार्टी नेताओं के आरोप हैं, इन्हें किसी प्रमाणित चुनावी अनियमितता का अंतिम निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी है कि लगाए गए आरोपों की जांच तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर हो। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। समय के साथ मतदाताओं की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, दोहरी प्रविष्टियों और गलत विवरण जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। ऐसे में निर्वाचन आयोग के लिए सूची का व्यापक पुनरीक्षण करना आवश्यक हो सकता है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि सत्यापन के दौरान किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हट जाता है, दस्तावेजों की जटिलता के कारण कोई नागरिक अपना नाम दर्ज नहीं करा पाता या सूचना के अभाव में कोई व्यक्ति निर्धारित समय पर दावा प्रस्तुत नहीं कर पाता तो उसका संवैधानिक अधिकार प्रभावित हो सकता है। इसलिए मतदाता सूची से अपात्र नाम हटाने की कोशिश में किसी योग्य नागरिक का नाम छूटना स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। यही वह बिंदु है जहां निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। किसी भी पुनरीक्षण अभियान की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितने नाम हटाए गए या कितने नए नाम जोड़े गए, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि कितने पात्र मतदाताओं को सुरक्षित रखा गया। बूथ स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही, घर-घर सत्यापन की गुणवत्ता, दस्तावेजों की स्वीकार्यता, आपत्ति दर्ज कराने की सुविधा और समयबद्ध अपील व्यवस्था को मजबूत बनाना जरूरी है।

~ मौलिक चिंतन ~

जीवन के प्रति आकर्षण का एकमात्र सबसे बड़ा कारण है, मृत्यु का भय।



© विनय संकोची

भारत को पुनः वैभवशाली बनाने हेतु संघ द्वारा प्रयासों में तेजी लाई जा रही है



प्रहलाद सबनानी



आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। संघ ने अपनी स्थापना की शताब्दी हाल ही में पूर्ण की है एवं संघ अब अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ एवं समाज द्वारा मिलकर कई बड़े कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों को समाज में अच्छा प्रतिसाद भी मिला। इन विभिन्न कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों एवं समाजजनों की बढ़ चढ़ कर भागीदारी रही। संघ की 100 वर्षों की यह एक अभिनव यात्रा है एवं समाज को साथ लेकर चलने की यात्रा है। साथ ही, समाज की सेवा के अथक प्रयासों की भी यह यात्रा है। इन 100 वर्षों में संघ ने क्या पाया, इसका सिहावलोकन एवं मूल्यांकन करना आवश्यक है। 100 वर्ष अपने आप में एक पर्याप्त कालावधि है, जब किसी संगठन के कार्यों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पिछले 100 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की अभिनव पद्धति के रूप में संघ की शाखा को देश एवं समाज के बीच में मान्यता मिली है। इसे संघ की बहुत बड़ी सफलता के रूप में देखा जा सकता है। शाखा की कार्यपद्धति के माध्यम से ही भारत के लाखों युवाओं में राष्ट्रत्व का भाव जगाया जा सका है एवं स्वयसेवकों का निर्माण कर उनके जीवन में परिवर्तन लाया जा सका है। आज नगरों एवं महानगरों के साथ ही सुदूर ग्रामीण इलाकों में भी संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं एवं इनमें समाज के समस्त घटकों की भागीदारी दिखाई दे रही है। मन में देश भक्ति का भाव लेकर भारत का युवा, स्वयंसेवक बनता है एवं प्रतिदिन शाखा में आकर शाखा की कार्यपद्धति का अनुपालन करते हुए कब उसमें राष्ट्रत्व की भावना जागृत हो जाती है उसे पता ही नहीं चलता है। आज हिंदू स्वयंसेवक संघ के माध्यम से कई अन्य देशों में भी शाखाएं लगाई जा रही है। विश्व में समस्त स्थानों पर लगाई जाने वाली शाखाओं की कार्यपद्धति समरूप है। भारत में आज अत्यंत समर्पित स्वयसेवकों की शृंखला खड़ी हो गई है एवं आज कई परिवारों की 5वीं एवं 6वीं पीढ़ी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करते हुए दिखाई दे रही हैं। इस प्रकार, केवल स्वयंसेवक ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य भी देश के लिए समर्पण की भावना के साथ संघ से जुड़े हुए हैं।

संघ की कार्यपद्धति में दो श्रेणियों के माध्यम से कार्य सम्पन्न होते हैं। एक, संगठन श्रेणी, जिसके माध्यम से शाखा लगाई जाती है एवं स्वयंसेवक गढ़े जाते हैं। दूसरी, जागरण श्रेणी, जिसके माध्यम से स्वयसेवकों द्वारा समाज के बीच जाकर समाज परिवर्तन के प्रयास किए जाते हैं। समाज को जागृत करने के उद्देश्य से कुछ जागरण पत्रिकाओं का प्रकाशन भी किया जाता है, जिनकी पहुंच आज 3 लाख से अधिक गावों तक है। इसी प्रकार संघ के सम्पर्क विभाग के द्वारा समाज का नेतृत्व करने वाले संभ्रांत नागरिकों से सम्पर्क किया जाता है एवं इन्हें राष्ट्रीय विचारों से अवगत कराया जाता है जिसके चलते ही आज बड़ी मात्रा में समाज की सज्जन शक्ति संघ के साथ जुड़ गई है। संघ द्वारा 6 गतिविधियां भी प्रारम्भ की गई है - सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, समग्र ग्रामविकास, गोसेवा, कुटुंब प्रबोधन एवं धर्मजागरण। इन गतिविधियों के माध्यम से भी समाज को संघ के साथ जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं। इस बीच, पंच परिवर्तन (स्व के भाव का जागरण, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्य) के प्रयोग भी संघ द्वारा चलाए गए ताकि समाज के आचरण में परिवर्तन लाया जा सके। विभिन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच भी संघ पिछले 100 वर्षों के दौरान निरंतर आगे बढ़ता रहा क्योंकि संघ द्वारा शाखा पद्धति के रूप में एक अभिनव पद्धति का निर्माण एवं प्रयोग किया था। दूसरे, संघ व्यक्ति निरपेक्षता की नीति पर चलता आया है, अर्थात, स्वयसेवकों ने अपने आप को संगठन से सदैव नीचे रखा है। आज संघ की एक व्यापक संगठनात्मक रचना खड़ी हो गई है।

संघ का लक्ष्य अपने संगठन को बड़ा बनाने का नहीं है बल्कि अपने संगठन को समाजव्यापी बनाने का लक्ष्य लेकर संघ आगे बढ़ रहा है। हिंदू समाज बड़ा बने एवं भारत एक बार पुनः परम वैभव की स्थिति पर आ जाए, यही संघ का मुख्य ध्येय है। भारतीय समाज पूर्ण रूप से एक रस हो जाए, इससे भी संघ की स्थापना के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है। संघ ने 100 वर्षों की एक लम्बी यात्रा सफलतापूर्वक तय कर ली है परंतु अभी भी बहुत कुछ कार्य शेष है। इस दृष्टि से आगे आने वाले समय में संघ के स्वयसेवकों के लिए करणीय कार्य क्या हो सकते हैं, इसका वर्णन हाल ही में संघ के माननीय सह सरकार्यवाह श्री अतुल लिमये जी द्वारा प्रदत्त एक उदबोधन में मिलता है। इन करणीय कार्यों को तेजी से सम्पन्न करने की आज आवश्यकता है क्योंकि इस दृष्टि से संघ की प्रतिस्पर्धा आज किसी अन्य संगठन के साथ नहीं बल्कि समय के साथ है।

राष्ट्र में व्यक्ति निर्माण की प्रक्रिया चलाने वाली शाखाओं का विस्तार तेजी से करने की आज आवश्यकता है। आज पूरे देश में लगभग 72.42 प्रतिशत बस्तियों एवं 69 प्रतिशत मंडलों में संघ की शाखाएं एवं साप्ताहिक मिलन चलाए जा रहे है। इसका आशय यह है कि देश में लगभग 30 प्रतिशत बस्तियां एवं 31 प्रतिशत मंडल अभी भी संघ कार्य विहीन हैं। अतः प्रथम लक्ष्य है कि तेज गति से उक्त शेष बस्तियों एवं मंडलों में शखाएं खड़ी हो जाए। राम मंदिर निधि संकलन अभियान के समय लगभग 14 करोड़ परिवारों से सम्पर्क किया गया था, एक परिवार में यदि 5 सदस्य माने जाय तो लगभग 70 करोड़ नागरिकों के साथ उस समय सम्पर्क हुआ था। अतः देश की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत नागरिकों के साथ केवल 45 दिनों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क किया गया था। हालांकि इस अभियान में स्वयसेवकों के साथ समाज के अन्य संगठन एवं नागरिक भी जुड़े थे। अतः शेष बस्तियों एवं मंडलों में संघ की शाखा की स्थापना के कार्य को समाजजन के सहयोग से गति दी जा सकती है।

भारत में आज संघ के स्वयंसेवकों के गुणों के चलते उनकी एक अलग पहिचान है। सादगी, मितव्यितता, प्रामाणिकता, अनुशासन, समर्पण का भाव आदि तत्व स्वयसेवकों के गुणों में शामिल हैं। समाज जीवन में संघ की पहिचान संघ के स्वयंसेवक के माध्यम से ही बनती है। मीडिया सहित प्रचार के विभिन्न माध्यमों से संघ के विरोध में बहुत कुछ चलता भी रहता है परंतु समाज में इसका प्रभाव दिखाई नहीं देता है, क्योंकि स्वयंसेवक के गुण कुछ अलग ही कहानी वर्णित करते हैं। शाखा के गुणवत्ता पूर्ण कार्यक्रम स्वयंसेवक में राष्ट्रत्व का जो भाव गढ़ते हैं वह स्वयंसेवक में स्पष्ट रूप से दिखाई भी देता है। इस भाव को आज आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। शाखा विस्तार के साथ साथ स्वयसेवकत्व के उक्त गुणों को भी बनाए रखना आवश्यक है।

आज संघ के विचार को समाज के बीच ले जाने की भी महती अवस्यकता है। इसके लिए स्वयसेवकों को समाज के बीच में जाकर कार्य करने पड़ेंगे। समाज में वैचारिक विमर्श का निर्माण करने की आवस्यकता है। भारत को यदि परम वैभवशाली देश बनाना है तो समाज का मन अनुकूल रखना होगा। देश की अपनी व्यवस्थाओं के प्रति आस्था रखने वाला समाज तैयार करना होगा। नागरिक कर्तव्य के बोध को बढ़ावा देने वाला समाज होना चाहिए। आज भारत में कुछ शक्तियां समाज में छोटे छोटे विभेद को बड़ा करने का प्रयास करती हुई नजर आ रही है। समाज के बीच अनास्था का निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य को समाज के बीच फैलाने के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया, आदि माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। अतः समाज के बीच राष्ट्रीय विचारधारा से ओतप्रोत विचार प्रसारित करने हेतु अकादमिक जगत के नागरिकों को अपने साथ जोड़ना होगा एवं विमर्श तैयार करना होगा ताकि समाज को राष्ट्रानुकूल बनाया जा सके।

आज समाज का प्रत्यक्ष आचरण बदलने की भी आवश्यकता है। समाज के बीच आपस में विषमता एवं कटुता के कुछ उदाहरण आज भी दिखाई देते हैं। इससे समाज में समरसता प्रभावित होती हुई दिखाई देती है। आचरण बदलने के लिए अपनी एक व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है, जिससे समाज को समरस बनाया जा सके। विभिन्न समाजों के बीच कटुता फैलाने के लिए कुछ बाहरी शक्तियां भी सक्रिय बनी हुई हैं। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को बल देकर समाज जीवन का आचरण बदलने के प्रयास किए जा सकते हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करना होगा। पंच परिवर्तन की प्रक्रिया को स्वयं के आचरण में लाकर ही नागरिकों का स्वभाव भी बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कुछ रचनाएं खड़ी करने एवं कार्यपद्धती विकसित करने की आवश्यकता भी होगी। यह सही है कि आज समाज जीवन में कुछ समस्याएँ भी दिखाई देती हैं। जैसे, भ्रष्टाचार, युवाओं में नशे का बढ़ता प्रभाव, कुटुंब विच्छेद,, जमीन के जल स्तर में कमी, रासायनिक खाद का बढ़ता उपयोग, महंगी हो रही शिक्षा, आदि। इन समस्याओं का समाधान कैसे करना है, इस विषय पर भी भी आज विचार करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार समाज में आज कुछ चुनौतियां भी मुंह बाये खड़ी है, जैसे मतांतरण, बड़ी मात्रा में जनसंख्या असंतुलन, सीमावर्ति क्षेत्रों में जनसंख्या का परिवर्तन, आदि। हम हिंदू नहीं है इस भाव को भी समाज के बीच फैलाने के प्रयास हो रहे है। विच्छेद निर्माण करने वाले आंदोलन हो रहे हैं एवं समाज के बीच अलगाव को बढ़ावा देने के प्रयास कुछ विदेशी ताकतों द्वारा किए जा रहे हैं। इन चुनौतियों का उत्तर भी देने की आज आवश्यकता है। शासन तो अपना काम कर ही रहा है परंतु समाज को भी इस संदर्भ में आज जगाने की आवश्यकता है। इस महती कार्य में सम्पूर्ण समाज की सहभागिता आवश्यक है। समाज जीवन में वैचारिक विमर्श को लेकर सम्पूर्ण समाज को जोड़ना होगा। इस पुनीत कार्य में समाज की सहभागिता कैसे बढ़ाना इसके लिए गम्भीरता से काम करने की आज आवश्यकता है। देश के लिए कुछ अच्छा करने का भाव समाज के बीच जागृत हुआ है एवं एवं समाज में कुछ नागरिक देश के लिए अच्छा काम करना चाहते हैं। परंतु, इस प्रकार का भाव रखने वाले नागरिकों के बीच समन्वय किस प्रकार स्थापित हो, इसके बारे में आज विचार करने की आवश्यकता है। बहुत से नागरिक देश के हित में बहुत कुछ करना चाहते हैं, उन्हें अलग अलग कामों की रचनाओं के साथ किस प्रकार जोड़ा जाए, इस विषय पर भी विचार करने की आज आवश्यकता है। देश में विभिन्न धार्मिक संगठन, सामाजिक संगठन, सांस्कृतिक संगठन आदि भी भारत को परम वैभव तक ले जाने के उद्देश्य से कार्य कर रहे हैं, इन समस्त संगठनों के बीच समन्वय का कार्य किस प्रकार स्थापित किया जा सकता है, इस संदर्भ में भी कार्य करने की आज आवश्यकता है।

आज सम्पूर्ण समाज को साथ लेने की मनःस्थिति समस्त स्वयसेवकों एवं समाज के जागरूक नागरिकों को बनाने की आवश्यकता है। सम्पूर्ण समाज को साथ लेने की कार्यपद्धती भी विकसित करने की आवश्यकता है। समाज जीवन में परिवर्तन के लिए समस्त समविचारी संगठनों को साथ में आना होगा। हिंदू धर्म एवं हिन्दू समाज की रक्षा करने का दायित्व इन समस्त संगठनों का है। इन संगठनों के बीच तालमेल विकसित करने की आज महती आवश्यकता है।

प्रदूषण के अंधकार में दीपावली की रोशनी कैसे मनाएं?



सौरभ वार्ष्णेय

इस दीपावली संकल्प लें कि घर-आंगन में दीप जलेंगे, लेकिन किसी की सांसों में धुआं नहीं भरेंगे। क्योंकि असली दीपावली वही है, जिसमें रोशनी भी हो, खुशहाली भी हो और हर किसी के हिस्से में स्वच्छ हवा भी आए।



आस्था, परंपरा और उत्सव के नाम पर क्या हम आने वाली पीढ़ियों की सांसों से समझौता कर सकते हैं? दिल्ली देश की राजधानी ही नहीं, बल्कि राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का एक बड़ा केंद्र भी है। यहां देश के कोने-कोने से लोग अपने सपनों को साकार करने आते हैं। दिल्ली-एनसीआर ऐसा क्षेत्र है, जहां हर कोई बेहतर भविष्य, रोजगार और जीवन की संभावनाएं तलाशता है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस शहर को लोग अपने सपनों का ठिकाना बनाना चाहते हैं, उसी शहर की हवा आज उनकी जिंदगी के लिए खतरा बनती जा रही है। प्रदूषण की मार ऐसी है कि खुले आसमान के नीचे सांस लेना भी किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर प्रदूषण के इस घुटन भरे माहौल में हम दीपावली का पर्व कैसे मनाएं?

दीपावली भारतीय संस्कृति और परंपरा का ऐसा पर्व है, जिसका धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व सदियों पुराना है। यह अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। मान्यता है कि चौदह वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद भगवान श्रीराम जब माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे, तब उनके स्वागत में अयोध्यावासियों सहित पूरे अखंड भारत ने घर-घर दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं। तभी से दीपावली का पर्व प्रकाश और उल्लास के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना भी की जाती है।लेकिन समय के साथ दीपावली मनाने के तौर-तरीकों में काफी बदलाव आया है। मिट्टी के दीपों, घरों की सजावट, पारिवारिक मेल-मिलाप और पारंपरिक मिठाइयों का स्थान धीरे-धीरे दिखावे और आतिशबाजी की प्रतिस्पर्धा ने ले लिया है। आसमान को रंग-बिरंगी रोशनी से भर देने की होड़ में हम यह भूल जाते हैं कि कुछ घंटों का हमारा मनोरंजन किसी दूसरे के लिए सांसों का संकट बन सकता है। हजारों की संख्या में छोड़े जाने वाले पटाखे वातावरण में जहरीले कण, धुआं और हानिकारक गैसें घोल देते हैं। इसका प्रभाव केवल दीपावली की रात तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पहले से प्रदूषित हवा की स्थिति को और गंभीर बना देता है।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस लिहाज से विशेष चिंता का विषय है। यहां पहले ही वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, कूड़ा जलाने और आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने जैसे अनेक कारणों से वायु प्रदूषण का दबाव बना रहता है। ऐसे में आतिशबाजी इस संकट को और बढ़ाने का काम करती है। इसका सबसे अधिक खामियाजा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को भुगतना पड़ता है। कई मासूम बच्चे ऐसी हवा में सांस लेने को मजबूर होते हैं, जो उनके स्वस्थ बचपन और बेहतर भविष्य के लिए खतरा बन सकती है। प्रदूषण केवल आंखों में जलन, खांसी या सांस फूलने तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से हृदय और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर बीमारियों का जोखिम भी बढ़ता है।

विडंबना यह है कि हम एक ओर मां लक्ष्मी से घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना करते हैं, वहीं दूसरी ओर अपनी ही गतिविधियों से जीवन की सबसे अनमोल संपत्ति यानी स्वच्छ हवा को दूषित कर देते हैं। जिस दीपावली का उद्देश्य जीवन में प्रकाश और सकारात्मकता लाना है, क्या उसे धुएं और जहरीली हवा के बीच मनाना उचित है? क्या कुछ मिनटों की आतिशबाजी उन लोगों की तकलीफ से अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें प्रदूषण के कारण अस्पतालों का रुख करना पड़ता है?

यहां यह समझना भी जरूरी है कि दीपावली पर पटाखे न चलाने की अपील किसी धार्मिक परंपरा या आस्था के विरोध में नहीं है। भारतीय संस्कृति तो प्रकृति को पूजने और उसके संरक्षण का संदेश देती रही है। हमारे पर्व और त्योहार भी प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। ऐसे में पर्यावरण की रक्षा करना हमारी धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी का ही हिस्सा होना चाहिए। भगवान श्रीराम के आदर्शों में मर्यादा, करुणा, त्याग और लोककल्याण का विशेष स्थान है। उनके आगमन की खुशी में मनाए जाने वाले पर्व पर यदि हम किसी दूसरे के जीवन को संकट में डालें, तो हमें अपनी उत्सव परंपरा के वास्तविक उद्देश्य पर विचार करना चाहिए।

सरकार और न्यायालय समय-समय पर प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाते रहे हैं। पटाखों की बिक्री, उनके इस्तेमाल और ध्वनि प्रदूषण को लेकर दिशा निर्देश भी जारी किए जाते हैं। लेकिन केवल सरकारी आदेशों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। जब तक नागरिक स्वयं अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई अधूरी रहेगी। यह भी जरूरी है कि नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित न रहे। प्रशासन को अवैध पटाखों की बिक्री और प्रतिबंधित आतिशबाजी पर प्रभावी निगरानी रखनी चाहिए। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी।

दीपावली की खुशी मनाने के लिए आतिशबाजी अनिवार्य नहीं है। हम मिट्टी के दीपक जलाकर, घरों को सजाकर, जरूरतमंद परिवारों की मदद करके, बच्चों को मिठाइयां बांटकर और परिवार के साथ समय बिताकर भी इस पर्व को यादगार बना सकते हैं। स्थानीय कुम्हारों से मिट्टी के दीप खरीदना न केवल हमारी परंपरा को जीवित रखेगा, बल्कि उनके रोजगार को भी सहारा देगा। सामूहिक रूप से दीपोत्सव आयोजित करना और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना इस पर्व को और अधिक सार्थक बना सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के बारे में सोचना होगा। क्या हम अपने बच्चों को ऐसा वातावरण देना चाहते हैं, जहां दीपावली के अगले दिन उन्हें स्वच्छ हवा के बजाय प्रदूषण की चादर मिले? क्या हम चाहते हैं कि त्योहारों की खुशी के बाद अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़े? यदि नहीं, तो बदलाव की शुरुआत हमें स्वयं से करनी होगी।

दीपावली अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाने का पर्व है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल अपने घरों को ही नहीं, बल्कि अपने विचारों को भी रोशन करें। आतिशबाजी के शोर और धुएं से ऊपर उठकर जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति को प्राथमिकता दें। आखिर त्योहार तभी सार्थक है, जब उसकी खुशियां सभी के हिस्से में आएं।

इस दीपावली संकल्प लें कि घर-आंगन में दीप जलेंगे, लेकिन किसी की सांसों में धुआं नहीं भरेंगे। क्योंकि असली दीपावली वही है, जिसमें रोशनी भी हो, खुशहाली भी हो और हर किसी के हिस्से में स्वच्छ हवा भी आए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)



पावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है। ब्रह्मपुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं और प्रत्येक सद्गृहस्थ के घर में विचरण करती हैं। जो घर हर प्रकार से स्वच्छ, शुद्ध और सुंदर तरीक़े से सुसज्जित और प्रकाशयुक्त होता है वहां अंश रूप में ठहर जाती हैं। इसलिए इस दिन घर-बाहर को खूब साफ-सुथरा करके सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थों के घर निवास करती हैं।

अपने जीवन को आध्यात्मिक प्रकाश से प्रकाशित करने का पर्व है दीपावली!

दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधि से बना है। 'आवली' का शाब्दिक अर्थ है पंक्ति। इस प्रकार 'दीपावली' का शाब्दिक अर्थ है 'दीपों की पंक्ति'। भारत वर्ष में मनाए जाने वाले सभी त्यौहारों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह पर्व सभी धर्म के लोगों द्वारा मनाया जाता है। हिन्दू मान्यता के अनुसार दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अपने परम प्रिय राजा के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए थे। तब से लेकर आज तक यह प्रकाश-पर्व भारत वर्ष में बड़े ही हर्ष व उल्लास के साथ मनाया जाता है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है। दीपावली यही चरितार्थ करती है- असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय। इस प्रकार दीपावली अंधेरे से प्रकाश की ओर जाने का पर्व है। इस प्रकार आज भी प्रत्येक वर्ष दीपावली के दिन एक दीपक से दूसरा जलाया जाता है और इन दीपों से निकलने वाली यह लौ (प्रकाश) सदियों से सारे संसार को शांति व भाइचारे का संदेश देती आ रही है।

बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व

कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रुप धारण कर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्र मंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही है। सिक्खों के लिए भी दीवाली महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था और इसके अलावा 1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था।

ज्ञान, विवेक एवं मित्रता की लौ जलाने का पर्व है दीपावली

दक्षिण में दीवाली उत्सव के सम्बन्ध में एक और कथा प्रचलित है। हिंदू पुराणों के अनुसार राजा बली एक दयालु दैत्यराज था। वह इतना शक्तिशाली था कि वह स्वर्ग के देवताओं व उनके राज्य के लिए खतरा बन गया। बली की ताकत को खत्म करने के लिए ही भगवान विष्णु एक बौने भिक्षुक ब्राह्मण के रूप में चतुराई से राजा बली से तीन पग के बराबर भूमि मांगी। राजा बली ने खुशी के साथ यह दान दे दिया। राजा बली को कपट से फंसाने के बाद जब भगवान विष्णु ने स्वयं को प्रभु के स्वरूप में पूर्ण वैभव के साथ प्रकट करते हुए अपने पहले पग (पैर) से 'स्वर्ग' व दूसरे पग से 'पृथ्वी' को नाप लिया तब राजा बली को वास्तविकता का ज्ञान हुआ और उन्होंने आत्म समर्पण करते हुए अपना शीश अर्पित करते हुए भगवान विष्णु को अपना तीसरा पग उस पर रखने के लिए आमंत्रित किया। भगवान विष्णु ने अपने अगले पग से उसे अधोलोक में धकेल दिया लेकिन इसके बदले में भगवान विष्णु ने राजा बली को समाज से अंधकार को दूर करने के लिए उसे ज्ञान का दीपक प्रदान किया। उन्होंने उसे यह आशीर्वाद भी दिया कि वह वर्ष में एक बार अपनी जनता के पास अपने एक दीपक से लाखों दीपक जलाने के लिए आएगा ताकि दीपावली की अंधेरी रात से अज्ञान, लोभ, ईर्ष्या, कामना, क्रोध, अहंकार और आलस्य के अंधकार को दूर करते हुए सभी में ज्ञान, विवेक और मित्रता की लौ जलाई जा सके।

दीपदान का लोकपर्व दीवाली

दीवाली भारतीय संस्कृति का सबसे महत्वपूर्ण पावन पर्व हैं। हर गाँव नगर और प्रांतों में हर जाति एवं धर्म के लोग इस पर्व को मनाते हैं। दीवाली को त्योहार का रूप देने में भारतीय संस्कृति के लोक-व्यवहारों का प्रमुख योग रहा हैं। घरों की सफ़ाई दीवाली के कई दिन पूर्व से की जाती है। गाँवों और क़स्बों में आज भी लोग-बाग स्वयं अपने घरों की सफ़ाई दीवाली से हफ़्तों पहले प्रारंभ करते हैं। घरों की लिपाई और पुताई का प्रचलन आज भी दृष्टिगत होता है। गाँवों में जहाँ कच्चे मकान मिट्टी के बने होते हैं, वहाँ गोबर की लिपाई दीवारों, छतों और फ़र्श पर की जाती हैं। शहरों में जहाँ मकान पक्के बने होते हैं वहाँ मकानों पर कलई, सफ़ेदी की पुताई अथवा रंगों की सजावट की जाती हैं। चूना भी कीटनाशक पदार्थ हैं। दीवारों और छतों पर चूने की पुताई करके हम अपने घर के वातावरण को स्वच्छ और शुद्ध बनाते हैं। घरों की सफ़ाई में ही निहित हैं और अपने गाँव और शहर की सफ़ाई और नगर की स्वच्छता में ही छिपा हुआ हैं, वहाँ के निवासियों का स्वास्थ्य। इस प्रकार दीवाली के अवसर पर की जाने वाली घरों की सफ़ाई में हमारे नगर प्रांत और देश की स्वच्छता और हमारे स्वास्थ्य की भावना प्रवाहित होती है। इतना ही नहीं एक दूसरे के मकानों की सफ़ाई में हम लोग आपस में सहयोग करते हैं। समाज के कल्याण और दूसरों की भलाई करने के लिए यह सहयोग व्यापक रूप ग्रहण कर लेता हैं, जिसमें हमारी यह भावना अंतर्निहित रहती हैं कि हम दूसरों के स्वास्थ्य और साफ़ रहने की कामना करते हैं।

दीवाली के अवसर पर घरों में चौंक पूरे जाते हैं। दरवाज़ों पर रंगोली रचाई जाती हैं और आँगन में अल्पना सजाई जाती हैं। घर के मुख्य द्वार पर शुभ लाभ लिखना अथवा गणेश और लक्ष्मी की मूर्ति बनाने की प्रथा आज भी दृष्टिगत होती है। कहीं-कहीं तो घर के मुख्य दरवाज़े पर दोनों ओर रंग-बिरंगे हाथी बनाए जाने की प्रथा भी हैं। हाथी लक्ष्मी का सहचर हैं और गणेश बुद्धि तथा सफलता के देव हैं। दीवाली से ही व्यापारी लोग अपना नया साल शुरू करते हैं। शुरू करने को ही श्री गणेश भी कहा जाता है। अत- लक्ष्मी गणेश और हाथी के चित्र हमारे पारिवारिक और सामाजिक जीवन में आने वाले वर्ष के लिए सुख, समृद्धि और सफलता की कामना के प्रतीक हैं। शुभ गणेश का प्रतीक हैं और लाभ लक्ष्मी का। इसलिए दीवाली के दिन लक्ष्मी के साथ-साथ गणेश की भी पूजा होती हैं। लक्ष्मी सामाजिक समृद्धि का आधार स्तंभ हैं, जिसकी कामना ग़रीब और अमीर सभी करते हैं। लेकिन केवल समृद्धि ही सब कुछ नहीं हैं। लक्ष्मी (धन) के सदुपयोग के लिए बुद्धि और विवेक की आवश्यकता होती हैं। बुद्धि और विवेक के अभाव में धन का दुरुपयोग होने से हमारा नैतिक पतन अवश्यंभावी हैं। अत- आज के इस पावन पर्व दीवाली के अवसर पर हम लक्ष्मी और गणेश दोनों की पूजा करके सदाचार, विवेकशील और समृद्धिशाली होने की अपनी मनोकामना व्यक्त करते हैं।

गोवर्धन पूजा का महत्व और कैसे करे पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को गोवर्धन उत्सव मनाया जाता है। इस दिन बलि पूजा, अन्न कूट, मार्गपाली आदि उत्सव भी सम्पन्न होते है। अन्नकूट या गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण के अवतार के बाद द्वापर युग से प्रारम्भ हुई।



दिवाली की अगली सुबह गोवर्धन पूजा की जाती है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की पूजा की जाती है।

गोवर्धन पूजन विधि

दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा पर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला गोवर्धन पर्व मनाया जाता है। इसमें हिंदू धर्मावलंबी घर के आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धननाथ जी की अल्पना (तस्वीर या प्रतिमूर्ति) बनाकर उनका पूजन करते है। इसके बाद ब्रज के साक्षात देवता माने जाने वाले गिरिराज भगवान को प्रसन्न करने के लिए उन्हें अन्नकूट का भोग लगाया जाता है। गाय बैल आदि पशुओं को स्नान कराकर फूल माला, धूप, चन्दन आदि से उनका पूजन किया जाता है। गायों को मिठाई खिलाकर उनकी आरती उतारी जाती है तथा प्रदक्षिणा की जाती है। गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर जल, मौली, रोली, चावल, फूल दही तथा तेल का दीपक जलाकर पूजा करते है तथा परिक्रमा करते हैं। कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को भगवान के निमित्त भोग व नैवेद्य में नित्य के नियमित पदाथरें के अतिरिक्त यथा सामर्थ्य अन्न से बने कच्चे-पक्के भोग, फल, फूल; अनेक प्रकार के पदार्थ जिन्हें छप्पन भोग कहते हैं। छप्पन भोग बनाकर भगवान को अर्पण करने का विधान भागवत में बताया गया है और फिर सभी सामग्री अपने परिवार, मित्रों को वितरण कर के प्रसाद ग्रहण करें।

झ

गोवर्धन पूजा की परंपरा द्वापर युग से चली आ रही है। उससे पूर्व ब्रज में इंद्र की पूजा की जाती थी। मगर भगवान कृष्ण ने गोकुल वासियों को तर्क दिया कि इंद्र से हमें कोई लाभ नहीं प्राप्त होता। वर्षा करना उनका कार्य है और वह सिर्फ अपना कार्य करते हैं जबकि गोवर्धन पर्वत गौ-धन का संवर्धन एवं संरक्षण करता है, जिससे पर्यावरण भी शुद्ध होता है। इसलिए इंद्र की नहीं गोवर्धन की पूजा की जानी चाहिए। इसके बाद इंद्र ने ब्रजवासियों को भारी वर्षा से डराने का प्रयास किया, पर श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाकर सभी गोकुलवासियों को उनके कोप से बचा लिया। इसके बाद से ही इंद्र भगवान की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का विधान शुरू हो गया है। यह परंपरा आज भी जारी है। सब ब्रजवासी सात दिन तक गोवर्धन पर्वत की शरण मे रहें।



सुदर्शन चक्र के प्रभाव से ब्रजवासियों पर एक जल की बूँद भी नही पड़ी। ब्रह्मा जी ने इन्द्र को बताया कि पृथ्वी पर श्री कृष्ण ने जन्म ले लिया है, उनसे तुम्हारा वैर लेना उचित नही है। श्रीकृष्ण अवतार की बात जानकर इन्द्रदेव अपनी मुर्खता पर बहुत लज्जित हुए तथा भगवान श्रीकृष्ण से क्षमा याचना की।

श्रीकृष्ण ने सातवें दिन गोवर्धन पर्वत को नीचे रखकर ब्रजवासियो से आज्ञा दी कि अब से प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट का पर्व उल्लास के साथ मनाओ।

पूजा का महत्व

माना जाता है कि भगवान कृष्ण का इंद्र के मान-मर्दन के पीछे उद्देश्य था कि ब्रजवासी गौ-धन एवं पर्यावरण के महत्व को समझें और उनकी रक्षा करें। आज भी हमारे जीवन में गायों का विशेष महत्व है। आज भी गायों के द्वारा दिया जाने वाला दूध हमारे जीवन में बेहद अहम स्थान रखता है। यूं तो आज गोवर्धन ब्रज की छोटी पहाड़ी है, किन्तु इसे गिरिराज (अर्थात पर्वतों का राजा) कहा जाता है। इसे यह महत्व या ऐसी संज्ञा इस लिये प्राप्त है क्यूंकि यह भगवान कृष्ण के समय का एक मात्र स्थाई व स्थिर अवशेष है। उस समय की यमुना नदी जहाँ समय-समय पर अपनी धारा बदलती रही है, वहां गोवर्धन अपने मूल स्थान पर ही अविचलित रुप में विधमान है। इसे भगवान कृष्ण का स्वरुप और उनका प्रतिक भी माना जाता है और इसी रुप में इसकी पूजा भी की जाती है। बल्लभ सम्प्रदाय के उपास्य देव श्रीनाथ जी का प्राकट्य स्थल होने के कारण इसकी महता और बढ़ जाती है। गर्ग संहिता में इसके महत्व का कथन करते हुए कहा गया है - गोवर्धन पर्वतों का राजा और हरि का प्यारा है। इसके समान पृथ्वी और स्वर्ग में कोई दूसरा तीर्थ नहीं है। यद्यपि वर्तमान काल में इसका आकार-प्रकार और प्राकृतिक सौंदर्य पूर्व की अपेक्षा क्षीण हो गया है, फिर भी इसका महत्व कदापि कम नहीं हुआ है।

खतरनाक पटाखों को जलाकर प्रदूषण फैलाने का पर्व नहीं है दीपावली

दीन-ए-इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊँचे बाँस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे। मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लालकिले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू-मुसलमान दोनों मिलकर भाग लेते थे। इस प्रकार दीपावली प्रकाश का यह पर्व समाज से अंधकार को समाप्त कर उल्लास, भाईचारे व प्रेम का संदेश फैलाने की प्रेरणा देता है न कि खतरनाक पटाखों को जलाकर प्रदूषण फैलाने का। दीवाली का त्योहार का मतलब पटाखा जलाना नहीं होता है। दीवाली वाले दिन पटाखों के कारण कितने दमें के मरीज खाँसते-खाँसते परेशान हो जाते हैं? कितने ही घरों में आग लग जाती है और कितने लोगों की मृत्यु पटाखों के कारण हो जाती है।





भाई-बहन के अटूट प्यार का प्रतीक भाईदूज

दीपावली के तीसरे दिन भारत में हिन्दुमतावलम्बियों द्वारा भाई दूज का त्यौहार मनाने की परम्परा प्रचलन में है7 मुझे याद है कि 1980 तक मेरे गॉवों में केवल उच्चजातीय परिवारों के अलावा भाई दूज के त्यौहार का अन्य छोटी जाति के लोग कोई विशेष मतलब नहीं समझते थे। जैसे ही टीवी का घरों में आगमन हुआ, टीवी ने आर्यन, ब्राह्मण, एवं शहरी संस्कृति और बाजारवादी अपसंस्कृति को हर जगह पर पहुँचा दिया।

राखी तो पहले से ही भाई के लम्बे जीवन की कामना के लिये भाई की कलाई पर बॉधी जाती रही है। राखी बॉधने वाली बहिन भाई के माथे पर टीका भी लगाती है और अपने भाई के लिये मंगल कामना भी करती है। भाई दूज को भी यही सब दौहराया जाता। इसमें किसी को कोई आपत्ति भी नहीं होनी चाहिये, क्योंकि मंगल कामनाएँ तो जितनी अधिक की जायें। आशीर्वाद जितना अधिक मिल सके, उतना ही सुखद है। यदि भाईयों को राखी तथा भाई दूज जेसे त्यौहारों के बहाने अपनी बहिनों की ओर से स्नेह, आशीर्वाद और मंगलकामनाएँ मिलती हैं तो यह एक खुशी और सौभाग्य की बात है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर केवल भाईयों को ही ऐसी मंगल कामनाएँ क्यों? क्या भाई के रूप में पुरुष आज भी इतना असुरक्षित है कि उसके जीवन के लिये बहिनों को साल में दो-दो बार औपचारिक रूप से मंगल कामनाएँ ज्ञापित करनी पड़ रही है। जो पुरुष विवाहित हैं, उनके लम्बे जीवन के लिये प्रतिदिन उनकी जीवनसंगनी भगवान से कामना करती है। पत्नियों की ओर से रखे जाने वाले अनेक व्रत अपने पतियों की रक्षा एवं लम्बी आयु के लिये निर्धारित हैं। जिनमें से करवा चौथ का व्रत तो सर्वाधिक प्रचलित है। यह व्रत भी आज से 30-40 वर्ष पूर्व गॉवों में केवल उच्च जातीय लोगों तक ही सीमित था। आजादी के बाद और टीवी की कृपा से आज उच्च जातीय सभी संस्कार और दिखावे निचली समझी जाने वाली सभी जातियों के लिये स्वाभिमान के सूचक, लेकिन साथ ही साथ आर्थिक बोझ भी बनते जा रहे हैं। हॉ तो सवाल भाई दूज का? आखिर भाईयों पर ऐसी कौनसी मुसीबत आन पड़ी है, जिसके चलते बहिनों को साल में दो बार उनकी मंगल कामना करनी पड़ती है? जबकि बहनें रोजाना दहेज की बेदी पर चढाई जा रही हैं। पैदा होने से पूर्व ही उन्हें नवकल्लखाने अर्थात् नर्सिंगहोम कुचल रहे हैं। पशुवृत्ति का पुरुष सदैव की भांति आज भी नारी के मान-सम्मान और उसकी जिन्दगी को खिलौना मानकर खेलता रहता है। तकरीबन देश के सभी हिस्सों में स्त्री को अभी भी दोयम दर्जे की कमजोर और बुद्धिहीन नागरिक माना जाता है। इस सबके उपरान्त भी पति, पिता या भाई के रूप में पुरुष की रक्षा और उसकी श्रेष्ठता, उसकी लम्बी आयु आदि के लिये अनेकानेक प्रावधान हैं, लेकिन कन्या, पुत्री, पत्नी और माता के स्वाभिमान, जीवन और उसके स्वस्थ तथा लम्बे जीवन के लिये एक भी प्रावधान नहीं? आज जबकि कन्या भ्रूण हत्या जैसा कुकृत्य परोक्ष रूप से सामाजिक मान्यता प्राप्त कर चुका है, ऐसे में गर्भवति माताओं के गर्व में पल रही कन्याओं की रक्षा के लिये क्या कोई दिन भाई दूज की भॉति निर्धारित नहीं किया जा सकता? क्या मनुस्मृति और अन्य ब्राह्मणग्रंथों में लिखे या बाद में जोड़े गये धार्मिक अनुष्ठान, व्रत और अन्य प्रावधान ही श्रेष्ठ और सर्वस्वीकार्य होने चाहिये? समाज को वर्तमान की जरूरतों और आने वाले भविष्य की मुसीबतों के आसन्न संकट से बचाव के लिये नये प्रावधान रचने या बनाने पर विचार नहीं करना चाहिये? हमें अपनी बहिनों को अभी भी अबूझ ही बने रहने देना चाहिये, या उनके जीवन की रक्षा के लिये भी कुछ किया जाना चाहिये? यह यक्ष प्रश्न आज के दौर (21वीं सदी) के भाईयों के सामने खड़ा है!

एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा

सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही।

पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी। सरकार औद्योगिक भूमि की कमी दूर करने के लिए भूमि पूलिंग (जमीन मालिक स्वेच्छा से जमीन देंगे और विकसित भूखंड वापस मिलेंगे) और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को वापस लेने जैसे वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है। इसके तहत, कंपनियों को आवंटित जमीन पर तीन साल के भीतर उत्पादन शुरू करना अनिवार्य होगा, विफल होने पर आवंटन रद्द हो सकता है। सीधी खरीद के लिए वित्तीय सहायता हेतु हुडको और नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी संपर्क किया जाएगा।

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अे धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

शेयरों में तेजी से एयरटेल का मार्केट कैप बढ़ा, जियो फिसला

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं। भारती एयरटेल की इस उपलब्धि के पीछे उसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को अहम माना जा रहा है। कंपनी का तिमाही मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़ा है और प्रति ग्राहक औसत राजस्व में भी सुधार दर्ज किया गया है, जिसने उसके शेयरों को मजबूती दी है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट ने उसकी रैंकिंग को प्रभावित किया।

बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली ।

बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

विदेशी निवेशकों की बंपर खरीदारी और ब्रेंट क्रूड में भारी गिरावट से बाजार में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

लाभांश की बहार- अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है।















बाल-बाल बची टीम इंडिया!

भारत ने जीता दूसरा वनडे

बारिश ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर फेरा पानी, सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में डकवर्थ लुईस नियम के हिसाब से चार रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की हालत खराब हो गई थी। टीम ने 26 ओवर में सात विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे और उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश ने मुकाबले में खलल डाल दिया। काफी इंतजार के बावजूद खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की उम्मीद करने लगी थी, लेकिन बारिश ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। काइल जेमीसन और जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट लेकर भारतीय पारी को झकझोर दिया। मैट फिशर को एक सफलता मिली। जेमीसन ने खास तौर पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने श्रेयस अय्यर को शॉर्ट गेंद पर कैच आउट कराया।

DLS के तहत चार रन आगे था भारत

बारिश के कारण जब मुकाबला रोका गया, तब भारत को 126 गेंद में 22 रन बनाने थे। हालांकि, डकवर्थ लुईस नियम के तहत उस समय भारत का पार स्कोर 109 रन था, जबकि टीम इंडिया सात विकेट के नुकसान पर 113 रन बना चुकी थी। यानी भारत निर्धारित मानक से चार रन आगे था। इसका मतलब था कि अगर बारिश के कारण आगे खेल नहीं हो पाता है तो भारत चार रन से मुकाबला जीत जाएगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। स्थानीय समय के हिसाब से रात 11 बजे मैच दोबारा शुरू कराने की अंतिम समय सीमा थी, लेकिन बारिश नहीं रुकी और मुकाबला आगे नहीं खेला जा सका।

गुरनूर की घातक गेंदबाजी, 134 रन पर सिमटा न्यूजीलैंड

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 134 रन पर समेट दिया था। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए, जबकि कप्तान मिचेल सैंटनर ने 31 रन का योगदान दिया। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। न्यूजीलैंड की टीम पहला वनडे भी गंवा चुकी थी। दूसरे मुकाबले में बारिश के कारण भारत को मिली जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

लड़खड़ाई टीम इंडिया, 7 विकेट गंवाए

दरअसल, बारिश के कारण वेलिंग्टन में खेला गया यह दूसरा वनडे एक घंटे की देरी से शुरू हुआ था। सुबह साढ़े सात बजे की जगह मैच सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुआ था। अंपायर्स ने ओवर्स में कटौती भी की थी और मैच 47-47 ओवर का कर दिया गया था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम को जीत के लिए 135 रन का लक्ष्य मिला था। छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने



निराश किया और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान शुभमन गिल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि विराट कोहली सात रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अक्षर पटेल सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस 46 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर ने 12 रन बनाए, जबकि अंशुल कंबोज एक रन बनाकर आउट हुए। बारिश के कारण खेल रुकने तक केएल राहुल 26 और आकिब नबी एक रन बनाकर नाबाद थे। भारत का स्कोर 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन था।

यशस्वी ने लगातार दूसरी पारी में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक ठोका। यशस्वी जायसवाल का यह लगातार दूसी पारी में शतक है। इससे पहले दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक जड़ा था। उन्होंने 162 गेंद पर 15 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 155 रन बनाए थे।लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर इंडिया ए को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के 46.3 ओवर में 175 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल शतक ठोकने के बाद आउट हो गए।

जायसवाल ने 138 गेंद पर 102 रन बनाए

यशस्वी जायसवाल ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट की गेंद पर चौका जड़कर शतक पूरा किया। उन्होंने 44वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर चौका जड़ा और शतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गए। उन्होंने 138 गेंद पर 102 रन बनाए। इस दौरान 16 चौके और 2 छक्के लगाए। साई सुदर्शन भी अर्धशतक पूरा कर चुके हैं।



संक्षिप्त समाचार

अल्काराज की शानदार जीत सेमीफाइनल में जगह बनाई



पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज से मुकाबले से पहले एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर रहे फ्रिट्ज को नौवें स्थान पर रहने वाले जोडार को पछाड़कर एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के लिए स्पेन के खिलाड़ी को हराना था, जो इटली के ट्यूरिन में इनाल्पी एरिना में होगा। जोडार पहले ही राउंड ऑफ 32 में पेरिस से बाहर हो गए थे। अब जोडार, जो इस सीजन में अपना पहला फुल-टाइम टूर-लेवल डेब्यू कर रहे हैं, क्वालिफिकेशन पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, फ्रांसेस टियाफो साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सातवें खिलाड़ी बने थे, जब टॉमी पॉल पेरिस क्वार्टर में बेन शेल्टन से हारकर अपना मौका गंवा बैठे थे। इस बीच, अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया।

देसिंघु ने जीता 200 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 16 वर्षीय तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले वह 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी कांस्य जीत चुकी हैं। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने शुक्रवार को लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया। खास बात यह है कि 200 मीटर फ्रीस्टाइल धिनिधि की मुख्य स्पर्धा है। ऐसे में उन्होंने अपनी पसंदीदा स्पर्धा में भी पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। दो कांस्य पदकों के साथ धिनिधि ने भारतीय तैराकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

शमी को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद

मोहम्मद शमी के संन्यास पर बोले भारत के गेंदबाजी कोच

तेज गेंदबाज ने कहा था- सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, उससे जुड़ी यादों से नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्नी मार्कल ने कहा कि जब वह भारतीय टीम से गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े तो शुरूआती दिनों में टीम की सोच और भारतीय भाषा को समझने में मोहम्मद शमी की मौजूदगी से उन्हें काफी मदद मिली। शमी ने शुक्रवार (6 नवंबर) को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

मोर्कल 2024 में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम नहीं किया, लेकिन 2025 की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान उन्हें यह मौका मिला। मोर्कल ने मैच से पूर्व इंटरव्यू में मेजबान प्रसारक सोनी स्पोर्टस से कहा , 'मैं खुशकिस्मत हूं कि जब मैने भारतीय टीम के साथ शुरूआत की तब शमी टीम का हिस्सा थे। काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और भारतीय भाषा को समझने में उन्होंने मेरी काफी मदद की। उन्हें टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद है।'

शमी ने सभी फॉर्मेट्स को मिलाकर कुल 462 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जिनमें टेस्ट में 229 और वनडे में 206 विकेट शामिल हैं। हालांकि, शमी कुछ और समय तक बंगाल के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट और आईपीएल खेलना जारी रखेंगे। मोर्केल इस बात से खुश हैं कि शमी अभी भी पूरी शिद्दत के साथ घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। मोर्केल ने कहा, 'मेरा मतलब है कि वह अभी भी घरेलू क्रिकेट में काफी ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं और यह देखना वाकई बहुत अच्छा लगता है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर अपने 13 साल के सफर पर विराम लगा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। मोहम्मद शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए।



मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिलने से निराश हूं: रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया के टेस्ट सेटअप से मोहम्मद शमी को नजरअंदाज करने के फैसले पर सवाल उठाया है। शास्त्री ने कहा कि शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की है। शास्त्री ने शमी को मौके न मिलने पर निराशा जताई, और अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के बावजूद फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके काम के बोझ की ओर इशारा किया। शमी, जो सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत के सबसे सक्षम तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, बंगाल के लिए नियमित तौर पर खेलते रहे हैं, और उन्होंने गेंदबाजी की बड़ी जिम्मेदारियां निभाई। शास्त्री को लगा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तेज गेंदबाज की तैयारी का अंदाजा लगाने में उन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए थी। भारत के पूर्व हेड कोच ने कहा कि मैचों के दौरान लंबे स्पैल तक टिके रहने की एक गेंदबाज की क्षमता ही उसकी फिटनेस का असली पैमाना होनी चाहिए। शास्त्री ने दूसरे वनडे से पहले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बात करते हुए कहा, 'अगर आप मैच में 10 या 12 ओवर नहीं कर सकते तो जिम में फिट रहने का क्या मतलब है? यहां, आपके पास एक मेहनती खिलाड़ी है जो आपके लिए गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए, मैं थोड़ा निराश हूं कि उन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। पूर्व कप्तान ने कहा, 'शमी का घरेलू काम का बोझ इस बात का काफी सबूत है कि वह कॉम्पिटिटिव क्रिकेट की फिजिकल जरूरतों को संभाल सकता है। टीमों को मुश्किल इंटरनेशनल सीजन के दौरान खास खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ता है, तो एक अनुभवी तेज गेंदबाज का होना कितना जरूरी है।'



'स्मैट' के लिए क्रुणाल की कप्तानी में बड़ौदा टीम का ऐलान



बड़ौदा, एजेंसी। बड़ौदा ने टी20 फॉर्मेट की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) के लिए क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में अपनी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो रहा है। क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में घोषित बड़ौदा की टीम में जितेश शर्मा, दीपक हुड्डा और रसिख सलाम जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हार्दिक आईपीएल 20260 के बाद से ही कई चोटों की वजह से मैदान से बाहर हैं। आईपीएल के दौरान पीठ में ऐंठन होने के बाद से हार्दिक ने अपना ज्यादातर समय बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बिताया है। उन्होंने आखिरी बार 24 मई को आईपीएल में खेला था। ऑलराउंडर को हाल ही में अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए की टीम में चुना गया था, लेकिन पिंडली में नई चोट के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था।

पैरालंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला अवनि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पैरा एथलीटों में अवनि लेखरा का नाम काफी सम्मान के साथ लिया जाता है। रविवार को 25 साल की हो रही अवनि ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निशानेबाजी में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अवनि लेखरा का जन्म 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में हुआ था। जब वह 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड इंजरी हो गई। इस हादसे के बाद अवनि का जीवन पूरी तरह बदल गया। उन्हें व्हीलचेयर के सहारे आगे का जीवन जीना था। जीवन को मुश्किल बनाने वाली इस परेशानी के बावजूद अवनि ने हिम्मत नहीं हारी और कुछ बड़ा करने का सपना देखा। अवनि के पिता का मानना था कि अगर उन्हें किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मानसिक स्थिति थोड़ी ठीक रहेगी और उनका मन बहलेगा। इसी वजह से उन्होंने बेटी को शूटिंग शुरू करने के लिए कहा। हादसे के तीन साल बाद अवनि ने शूटिंग में अपना करियर बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया था। वह बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा से प्रेरित थीं।



2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया। अवनि ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भी गोल्ड मेडल जीता था। अवनि ने 2024 पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.7 अंक के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। अवनि लेखरा पैरालंपिक गेम्स में 2 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

सीए ने ख्वाजा के सैंडपेपर गेट वाले दावों का दिया जवाब कहा-हम नतीजों से खुश हैं

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2018 के साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान सैंडपेपर गेट की घटना पर उस्मान ख्वाजा के चौंकाने वाले दावों का जवाब दिया है। इस घटना ने क्रिकेट की दुनिया को हिलाकर रख दिया था। ख्वाजा, जो अपनी आने वाली किताब 'सब्र' में इस घटना के बारे में विस्तार से बताएंगे, ने खुलासा किया है कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को केपटाउन टेस्ट में सैंडपेपर गेट के बारे में पता था और पिछले टेस्ट मैच में भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व ओपनर के दावों का जवाब देते हुए, सीए ने कहा कि उन्हें दी गई जानकारी पर ठीक से सोचा गया था और वे अपने नतीजों से खुश हैं। बयान में कहा गया, '2018 के केपटाउन टेस्ट के बाद से आठ वर्षों में बहुत सारे अंदाजे लगाए गए हैं, जिसमें पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में हुई सीरीज के दौरान मीडिया में बहुत ज्यादा कवरेज भी शामिल है। इस दौरान कोई भी जरूरी जानकारी देने का मौका मिलता रहा है, और यह अभी भी वैसा ही है। सीए को अब तक दी गई सभी जरूरी जानकारी पर ठीक से विचार किया गया है, और हम अपनी नतीजों से खुश हैं। ' ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए एक साक्षात्कार में बताया है कि सैंडपेपर गेट के बारे में पूरी टीम को पता था। इस मामले के बारे में माना जाता है कि तब के कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट इस घटना में शामिल थे। बैनक्रॉफ्ट ने गेंद पर वो चीज लगाई थी। इसे टेस्ट मैच के विजुअल्स में देखा जा सकता है।

घटना के बाद स्मिथ और वॉर्नर पर इंटरनेशनल और डोमेस्टिक



क्रिकेट में खेलने से एक साल का बैन लगाया गया, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का बैन लगाया गया। इसके अलावा, स्मिथ से कहा गया कि वह दो साल तक ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी नहीं कर सकते। वॉर्नर पर इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियन डोमेस्टिक क्रिकेट में लाइफटाइम लीडरशिप बैन लगा, जिसे 2024 में हटा दिया गया। ख्वाजा ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि वह सच सामने नहीं लाना चाहते, उन्हें लगता है कि यह अब तक सामने आ गया होगा। एक आदर्श दुनिया में, मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं वह नहीं बनना चाहता जो सामने आकर सच के बारे में बात करे। उन्होंने कहा, 'मुद्दा यह है कि मुझे सच में लगा था कि आठ साल बाद अब तक सच सामने आ गया होगा। ' ख्वाजा ने यह भी दावा किया कि साउथ अफ्रीकी टीम गेंद के साथ काम करने में कहीं बेहतर थी और वे उनके साथ बने रहने की कोशिश कर रहे थे।

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर
मे जा जी खी खू खे खो गा गी

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

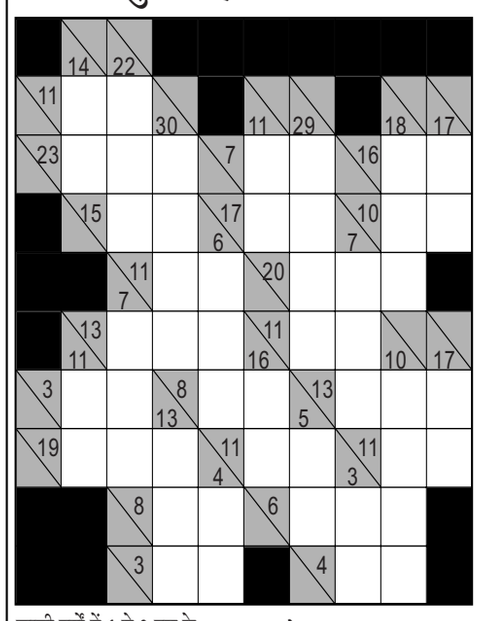
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन
दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

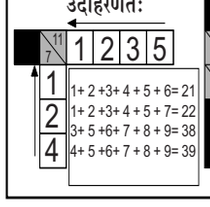
टाईम पास

काकुरो पहेली - 4063



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4062 का हल

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

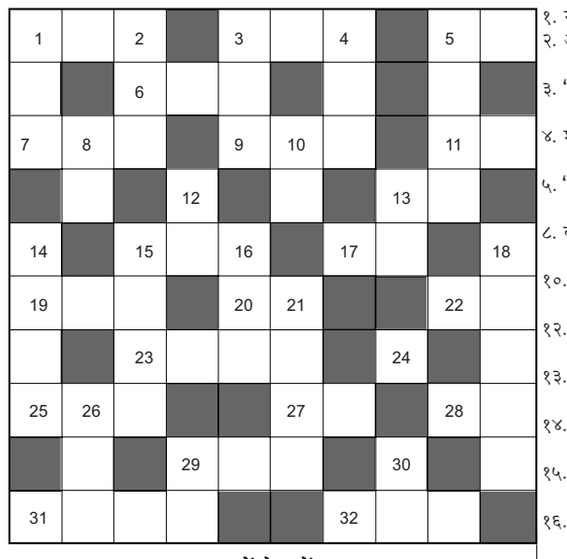
सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4063



बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारिक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4062

पि	या	का	घ	र		ह	थ	क	ड़ी
ता	र		यीं		दो	स्ती		न्या	
	ना	खु	दा		बा		अं	दा	ज
ह		श		कुं	द	न		न	
म	ज	बु	र		न	ज	र		म
सा	या		त	ब्बू		र		डों	न
या		आ	न		कि	ना	र		च
	गै	र		मै	ला		म	वा	ली
प्या		पा	पी			र	जा		
सा	ग	र		र	खी		ने	पा	ल

रोस्टेड ब्रोकली



सामग्री

- 250 ग्राम ब्रोकली
- काली मिर्च पाउडर
- 2 चम्मच भूनी हुई मूंगफली
- 2 चम्मच रिफाइन्ड तेल
- 1 लहसुन की कली
- 2 लाल मिर्च
- नमक स्वादानुसार

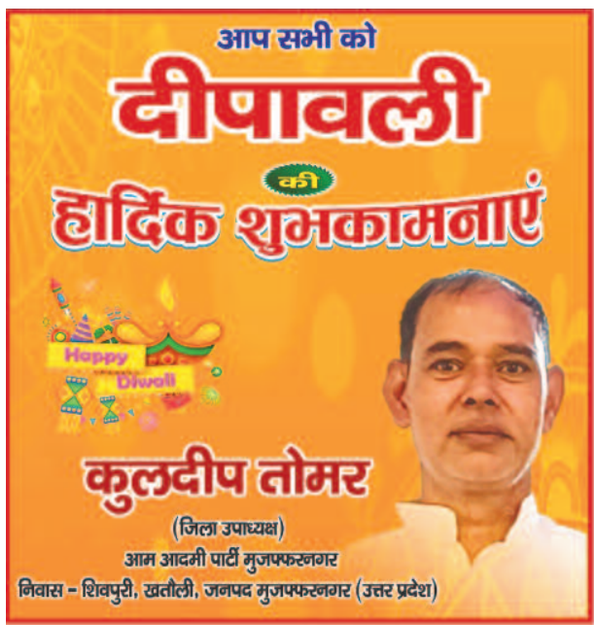
सूडोकु -4063

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4062 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7















RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W	DISPLAY COLOR
Rs. 750/-	Rs. 750/- + 50% Extra
(Per Sq. cm)	(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY	CLASSIFIED Run On words
Rs. 75/-	Rs. 15/-
(Per Sq. cm)	(Per Word)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.	Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



एक्शन के साथ रिश्तों की कहानी भी कहेगी सनी स्टारर 'जाट 2'

सनी देओल की फिल्मों में एक्शन, डायलॉग और अन्याय के खिलाफ खड़े होने वाले किरदारों की खास पहचान रही है। अब 'जाट 2' को लेकर चर्चा है कि इस बार कहानी में उनके किरदार की निजी जिंदगी और परिवार को ज्यादा जगह मिल सकती है। इससे दर्शकों को उसके अतीत और रिश्तों के बारे में जानने का मौका मिल सकता है। फिल्म से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले सूत्र के मुताबिक, सीक्वल में मुख्य किरदार की पारिवारिक पृष्ठभूमि को विस्तार देने पर चर्चा है। हालांकि, मेकर्स ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। सफल एक्शन फिल्म का सीक्वल बनाते समय फिल्ममेकर्स के सामने चुनौती होती है कि पहले भाग का आकर्षण भी बना रहे और कहानी में कुछ नया भी हो। सिर्फ एक्शन बढ़ाने या पुराने फॉर्मूले को दोहराने से दर्शकों की उम्मीदें पूरी नहीं होतीं। 'जाट' में सनी देओल का अन्याय के खिलाफ खड़ा होना और विरोधियों से टकराना कहानी का अहम हिस्सा था। दूसरे भाग में भी यही अंदाज देखने को मिल सकता है, लेकिन कहानी को आगे बढ़ाने के लिए नया संघर्ष जरूरी होगा। अगर किरदार के अतीत, परिवार और निजी रिश्तों को जगह मिलती है, तो दर्शक उसके फैसलों की वजह भी बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। इससे फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक पहलू भी जुड़ सकता है।

सूत्र के संकेतों के मुताबिक...' दूसरे पार्ट में सनी देओल के किरदार की पारिवारिक पृष्ठभूमि को दिखाने के लिए पंजाब और हरियाणा जैसे इलाकों को कहानी में शामिल किया जा सकता है। इससे फिल्म का दायरा पहले भाग से अलग हो सकता है। परिवार और निजी जिम्मेदारियों को जगह मिलने पर किरदार के सामने आने वाले संघर्ष की वजहें भी सामने आ सकती हैं। नए भाग में किसी नए विलेन या प्रतिद्वंद्वी की जरूरत भी हो सकती है। हालांकि, अभी किसी नए विलेन के नाम या किरदार को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में यह देखना होगा कि फिल्म की कहानी किस तरह आगे बढ़ती है।'

'जाट 2' के निर्देशन को लेकर भी चर्चा रही है। निर्देशक राजकुमार संतोषी पहले ही साफ कर चुके हैं कि वह इस सीक्वल का निर्देशन नहीं कर रहे हैं। वहीं, सनी देओल चाहते हैं कि पहले पार्ट के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी ही दूसरे भाग की कमान संभालें। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। सनी अब दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार्स की तरह अलग-अलग निर्देशकों के साथ काम करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। उनकी फिल्म 'एंटनी' इसी सिलसिले में चर्चा में है। इसमें विजय वर्मा उनके सामने विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सनी अपने पुराने सहयोगियों के साथ काम करना छोड़ रहे हैं। उत्तर भारत की कहानियों में वह अपने पुराने साथियों के साथ भी काम जारी रखेंगे।

सनी की पूरी हो चुकी फिल्मों में 'बाप' भी शामिल है। इसमें उनके साथ मिथुन चक्रवर्ती, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ नजर आएंगे। फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म को नए साल की शुरुआत में रिलीज करने की तैयारी है। हालांकि, इसकी अंतिम रिलीज तारीख की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। सनी देओल अपने पुराने सहयोगियों के साथ भी काम कर रहे हैं। 'गदर' में उनके साथ काम कर चुके निर्देशक अनिल शर्मा के साथ वह 'कोल किंग' शुरू करने वाले हैं।





सीता मां का किरदार निभाते हुए मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया

अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचीं। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थीं कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।''

अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली। साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''



'डेयर डेविल' में अजित कुमार के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

अजित कुमार अपनी नई फिल्म 'डेयर डेविल' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अधिक रविचंद्रन कर रहे हैं। अब फिल्म की एक्ट्रेस और शूटिंग शुरू होने की डेट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। निर्देशक ने पुष्टि की है कि फिल्म में श्रीलीला भी नजर आएंगी। फिल्म में उनके किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। यह भी साफ नहीं हुआ है कि उनकी भूमिका किस तरह की होगी और कहानी में उनका कितना महत्व होगा। उनके साथ पार्थिबन, प्रभु और सुनील जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग 12 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है।

अजित के साथ दूसरी बार काम करेंगे रविचंद्रन

'डेयर डेविल' में अजित कुमार और अधिक रविचंद्रन दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में साथ काम किया था। इस फिल्म में अजित कुमार के अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया था। अब दोनों एक नई फिल्म के लिए फिर साथ आए हैं। बताया जा रहा है कि इस बार फिल्म की कहानी पहले की तुलना में अलग होगी। निर्देशक इसे ऐसी मनोरंजक फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसे परिवार के सभी लोग देख सकें।



करियर में एक नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं जॉर्जिया

जॉर्जिया एंड्रियानी जल्द ही हिंदी थ्रिलर वेब सीरीज 'डाइस' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक इटैलियन किरदार निभाएंगी। प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इसकी खास बात यह है कि सीरीज की शूटिंग इटली में होगी, जहां पोटेंजा और बिंडिसी सहित कई लोकेशंस को चुना गया है। 'डाइस' का निर्माण और निर्देशन चंद्रकांत सिंह कर रहे हैं, जबकि एंजेलो विगिनो भी इसके निर्माता के तौर पर जुड़े हैं। सीरीज हिंदी में बनाई जाएगी और इसमें जॉर्जिया अपने सांस्कृतिक परिवेश से जुड़े किरदार को परदे पर उतारेंगी।

सीरीज को लेकर जॉर्जिया ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं और शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रही हैं। उनके मुताबिक, एक एक्टर के तौर पर नए किरदार को एक्सप्लोर करना और अलग कहानी में खुद को ढालना हमेशा रोमांचक होता है साथ ही अपने किरदार को जीवंत करना एक खास अनुभव होगा।



'3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर आमिर खान ने दिया अपडेट

आमिर खान ने अपनी चर्चित फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि निर्देशक राजकुमार हिरानी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और जल्द ही इसका फाइनल ड्राफ्ट उन्हें सुना सकते हैं। हालांकि, आमिर ने अभी फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सिंगापुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बातचीत के दौरान आमिर ने कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में भारत लौटने के बाद राजकुमार हिरानी उन्हें स्क्रिप्ट का फाइनल वर्जन सुनाएंगे। इसके बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इससे पहले राजकुमार हिरानी ने भी एक इंटरव्यू में सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम जारी होने की बात कही थी।

आमिर ने संतोषी के एक अन्य प्रोजेक्ट पर काम करने की जानकारी भी दी। फेस्टिवल में 'अंदाज अपना अपना' के पार्ट 2 को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि संतोषी एक प्रोजेक्ट पर काम तो कर रहे हैं। हालांकि, आमिर ने इसकी पुष्टि नहीं की कि यह 'अंदाज अपना अपना 2' ही है।



वर्टिकल में टाइमिंग है सबसे बड़ी चुनौती, यही एक्टर को बनाती है बेहतर

टेलीविजन अभिनेता प्रतीक चौधरी इन दिनों बालाजी टेलीफिल्म्स की वर्टिकल सीरीज 'साइलेंट शिकारी' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का कहना है कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करने का मौका मिला है। बातचीत के दौरान अभिनेता ने कहा, 'बालाजी के साथ इस सीरीज में मैंने दो दिन का काम किया था और मेरा अनुभव बहुत शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर वो एक्टर अपने आपको खुशकिस्मत समझेगा, जिसे बालाजी के साथ काम करने का मौका मिला है क्योंकि उनके कंटेंट बहुत शानदार रहते हैं और उनके शूट करने का तरीका दूसरों से काफी अलग है। ऐसा नहीं है कि दूसरे प्रोडक्शन हाउस या डायरेक्टर्स का काम अच्छा नहीं है। सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन बालाजी के साथ कुछ ऐसी चुनौतियां हैं जो बहुत मुश्किल होती हैं।' अभिनेता ने आगे वर्टिकल सीरीज और वेब सीरीज के की तुलना पर बात करते हुए कहा, 'यह दोनों ही अपने आप में अलग हैं। सबसे पहले तो हमें वर्टिकल फॉर्मेट में टेलीविजन को ही पूरा करना होता है। जैसा कि आप जानते हैं, टेलीविजन सालों से चल रहा है। पहले मैं सोचता था कि टेलीविजन बहुत मुश्किल है लेकिन वर्टिकल करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि शायद वर्टिकल फॉर्मेट से ज्यादा मुश्किल कुछ भी नहीं है। हो सकता है भविष्य में कुछ ऐसा आए जो वर्टिकल को भी आसान बना दे। सबसे बड़ी समस्या टाइमिंग की है। हमें चीजों को ठीक से करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता लेकिन मुझे लगता है कि यही चुनौती एक एक्टर को उसके काम में बेहतर बनाती है।

उन्होंने आगे कहा, 'पहले मुझे लगता था कि टेलीविजन से ही मैंने अभिनय सीखा है लेकिन वर्टिकल में काम करने के बाद मुझे एहसास हुआ है कि इस फॉर्मेट ने भी मुझे बहुत कुछ सिखाया है। हमें कुछ ही दिनों में अपने रोज के काम को पूरा करना होता है और उन कुछ दिनों में हम बहुत सारे एपिसोड शूट कर लेते हैं। मुझे पता है कि पांच से दस मिनट के छोटे क्लिप्स होते हैं, लेकिन सीन खुद बहुत लंबे होते हैं। एक एक्टर के तौर पर इतने कम समय में इतने सारे सीन करना आपको बहुत अनुभव देता है और यह आपको बहुत कुछ सिखाता है। तो मुझे लगता है कि मैंने वर्टिकल फॉर्मेट से बहुत कुछ सीखा है।

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, 'मैं वर्टिकल के बारे में एक बात और कहना चाहूंगा। टेलीविजन में आप आमतौर पर एक समय पर दो या तीन डायरेक्टर्स के साथ काम करते हैं, जब तक उन्हें बदला न जाए। वर्टिकल में आपको नए डायरेक्टर्स और नए कंटेंट के साथ काम करने का मौका मिलता है। हमेशा एक फिक्स टीम नहीं होती।तो एक एक्टर के तौर पर आप बहुत कुछ एक्सप्लोर कर सकते हैं और बहुत कुछ सीख सकते हैं।

ट्रंप का साथ नहीं छोड़ेंगे रुबियो: विदेश मंत्री बोले- पूरा करूंगा चार साल का कार्यकाल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को झटके लगने के बाद विदेश मंत्री मार्को रुबियो के प्रशासन छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब रुबियो ने इन खबरों को खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पूरे चार साल उनके साथ काम करेंगे। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने उन खबरों को गलत बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी के लिए ट्रंप प्रशासन से बाहर हो सकते हैं। रुबियो ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पूरी अवधि तक उनके लिए काम करना हमेशा से मेरी योजना रही है। उन्होंने आगे कहा, सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि ये बातें कहां से आती हैं।



कई जिम्मेदारियां संभालने पर भी बोले रुबियो : प्रशासन में एक साथ कई अहम जिम्मेदारियां संभालने को लेकर रुबियो ने कहा कि उन्हें अपना काम पसंद है। उन्होंने इस बात पर भी मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी कि उनके पद छोड़ने की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। रुबियो ने कहा, मुझे अपना काम पसंद है। और जब लोग कहते हैं कि वह अपनी नौकरी छोड़ने वाले हैं, तो मुझे हमेशा हंसी आती है। मैं उनसे कहता हूं, 'कौन-सी वाली? दरअसल, रुबियो विदेश मंत्री के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने भी अटकलों को बताया अफवाह : मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को लगे झटकों के बाद पार्टी के भविष्य के नेतृत्व और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच रुबियो के प्रशासन छोड़ने की खबरें सामने आई थीं। व्हाइट हाउस और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने इन खबरों को खारिज किया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता बेनी रे हार्मनी ने इन खबरों को गुमनाम सूत्रों के जरिये फैलाई गई मनगढ़ंत अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि रुबियो अब भी ट्रंप और एम ए जी ए आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वहीं, विदेश मंत्रालय के सहायक सचिव डायलन जॉनसन ने भी इन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद और फर्जी बताया।

2028 की रेस में रुबियो के नाम की भी चर्चा : इन अटकलों के बावजूद राजनीतिक विश्लेषक रुबियो को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवार के तौर पर देख रहे हैं। खासकर मध्यावधि चुनाव के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की राजनीतिक स्थिति को लेकर चर्चा के बीच रुबियो का नाम भी सामने आ रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट के हवाले से प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने कहा कि रुबियो की शुरुआत से ही योजना ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पूरे चार साल तक पद पर बने रहने की थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए मजाक में कहा कि रुबियो ने तो यहां तक कहा था कि वह छुट्टी भी नहीं लेंगे। रुबियो इस समय व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

क्यूबा को लेकर भी रुबियो की खास दिलचस्पी : रुबियो के पद पर बने रहने की एक अहम वजह क्यूबा को लेकर उनकी राजनीतिक प्राथमिकता भी है। क्यूबा से आए प्रवासियों के बेटे रुबियो के राजनीतिक करियर में वहां की कम्युनिस्ट सरकार का विरोध प्रमुख मुद्दा रहा है। वह क्यूबा की सरकार के खिलाफ अपनी विदेश नीति से जुड़े लक्ष्यों को पूरा किए बिना पद छोड़ने के इच्छुक नहीं हैं। रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक और कारोबारी डैन एबरहार्ट ने चुनावी नतीजों के बाद पार्टी के संभावित उम्मीदवारों की स्थिति में बदलाव की बात कही। उन्होंने कहा, 'मध्यावधि चुनाव ने वेंस की [2028 की संभावनाओं] को बड़ा झटका दिया है और रुबियो का कद तेजी से बढ़ रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा की सरकार के खिलाफ अपना मिशन पूरा किए बिना रुबियो के लिए मियामी लौटना मुश्किल हो सकता है। इससे पहले रुबियो कह चुके हैं कि अगर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 2028 में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करना चाहते हैं तो वह पीछे हट जाएंगे। हालांकि, हालिया चुनावी नतीजों के बाद उनके खुद चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं।

2028 के चुनाव पर बोले- अब इस बारे में बात नहीं करूंगा : द न्यूयॉर्क टाइम्स के इंटरव्यू में जब रुबियो से उनके भविष्य की राजनीतिक योजनाओं और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस पर चर्चा करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अब 2028 के बारे में बिल्कुल बात नहीं करूंगा। मैं ऐसा नहीं करूंगा। मध्यावधि चुनाव के बाद रुबियो अगले शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी में फेडरलिस्ट सोसाइटी के नेशनल लॉयर्स कन्वेंशन में अपना पहला बड़ा भाषण देंगे।

रूसी ईंधन पर बैन को लेकर ट्रंप ने उठाए सवाल, कहा- कानून को देखूंगा, बदलाव का ऐलान नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी पेट्रोलियम के आयात पर प्रतिबंध लगाने वाले अमेरिकी कानून पर सवाल उठाए और कहा कि वह इसे देखेंगे, लेकिन रूसी डीजल लेनदेन को लेकर अपने प्रशासन की मंजूरी पर विवाद के बीच उन्होंने नीति में किसी बदलाव का ऐलान नहीं किया। एक रिपोर्टर ने उन्हें बताया कि कांग्रेस ने यह कानून पारित किया था और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2022 में इस पर हस्ताक्षर किए थे। इस पर ट्रंप ने कहा, 'शायद यही इसे काफी खराब कानून बनाता है। मैं इसे जरूर देखूंगा।' ओवल ऑफिस में मौजूदगी के दौरान, रिपोर्टर ने अटलांटिक के पार रूसी डीजल ले जा रहे एक टैंकर के बारे में पूछा, जो कथित तौर पर अमेरिका जा रहा था और उसके कार्गो को उतारने पर कानूनी प्रतिबंध के बारे में सवाल

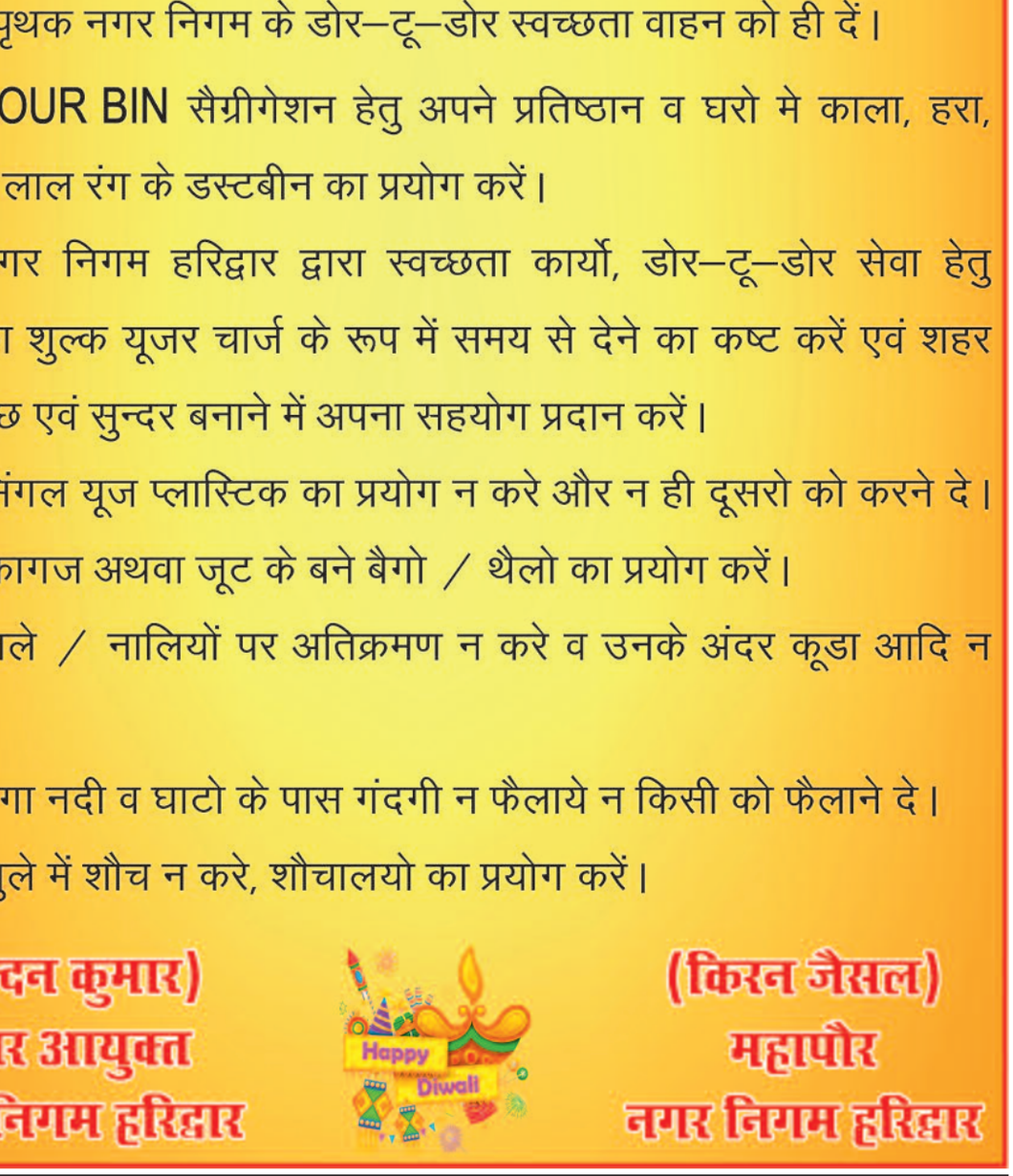


किया। ट्रंप ने पहले पूछा कि क्या यह प्रतिबंध जोन्स एक्ट के तहत आता है। रिपोर्टर ने स्पष्ट किया कि सवाल 2022 में बनाए गए कानून से जुड़ा है। उनके जवाब में कोई समय-सीमा, प्रस्तावित संशोधन या यह स्पष्टीकरण नहीं था कि प्रशासन अपनी डीजल मंजूरी को कानूनी आयात प्रतिबंध के साथ कैसे जोड़ेगा। उन्होंने यह ऐलान नहीं किया कि प्रतिबंध हटा दिया गया है। यह अंतर इसलिए अहम है क्योंकि ट्रेजरी ने करीब एक महीने पहले ही एक अलग मंजूरी जारी कर दी थी। 9 अक्टूबर को विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने जनरल लाइसेंस 135 जारी किया। यह रूस से जुड़े दो तरह के प्रतिबंध नियमों के तहत अन्यथा प्रतिबंधित लेनदेन को अधिकृत करता है, जब वे रूसी मूल के डीजल की बिक्री, डिलीवरी, उतराई या आयात से संबंधित हों। इसमें अमेरिका में आयात को स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है। यह मंजूरी 7 अप्रैल 2027 तक लागू रहेगी। यह रूस के केंद्रीय बैंक, राष्ट्रीय संपत्ति कोष या वित्त मंत्रालय द्वारा अमेरिकी वित्तीय संस्थानों में रखे गए खातों से डेबिट को बाहर रखता है। यह लाइसेंस डीजल से जुड़ा है और सभी रूसी पेट्रोलियम उत्पादों में व्यापार को सामान्य रूप से फिर से खोलने की घोषणा नहीं करता है। हालांकि, 8 अप्रैल 2022 को हस्ताक्षरित रूसी तेल के आयात को समाप्त करने वाला कानून, अमेरिकी टैरिफ अनुसूची के अध्याय 27 के तहत वर्गीकृत रूसी उत्पादों के आयात पर अलग से प्रतिबंध लगाता है। कानून इस प्रतिबंध को समाप्त करने की प्रक्रिया बताता है। इसके लिए यूक्रेन द्वारा स्वीकृत रूसी वापसी और शत्रुता समाप्त करने के समझौते, नाटो सदस्यों के लिए तत्काल रूसी सैन्य खतरे की अनुपस्थिति और यूक्रेनियों के अपनी सरकार चुनने के अधिकार की मान्यता के बारे में राष्ट्रपति के प्रमाणन की आवश्यकता होती है। इसके लिए कांग्रेस की समितियों से पहले परामर्श की भी आवश्यकता होती है और प्रमाणन के बाद 90 दिनों की अवधि दी जाती है, जिसके बाद समाप्ति प्रभावी होती है, जब तक कि कांग्रेस अस्वीकृति का प्रस्ताव पारित न कर दे।









स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा * ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)